CNEWS सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-219
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सुविचार

कठिनाईयों में बीज होता है ताकत का, जब भी दबाया जाता है, वही अंकुर बनता है।

सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, गुरुवार 14 नवम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

कौन हैं तुलसी गबार्ड..... जिन्हें डोनाल्ड ट्रंप ने बनाया यूएस इंटेलिजेंस डायरेक्टर

भारतीय मूल की नहीं, पर पहचान हिंदू धर्म से

डोनाल्ड ट्रंप ने तुलसी गबार्ड को अमेरिका की नई इंटेलिजेंस डायरेक्टर नियुक्त किया है। तुलसी गबार्ड अमेरिका की पहली हिंदू कांग्रेसवुमन हैं जिन्होंने अमेरिका के इस अहम पद पर पहुंचने में कामयाब हुई हैं। तुलसी का नाम सुनने में किसी भारतीय महिला के नाम की तरह लगता है, लेकिन उनका भारत से कोई संबंध नहीं है। गबार्ड की मां हिंदू धर्म में परिवर्तित हुई थीं और उन्होंने सभी बच्चों को हिंदू नाम दिए।

ट्रंप ने की तुलसी की तारीफ डोनाल्ड ट्रंप ने तुलसी गबार्ड को प्राउड रिपब्लिकन बताया है और उनकी साहसी सोच की प्रशंसा की है। ट्रंप ने कहा कि तुलसी अपने निर्भीक स्वभाव से इंटेलिजेस सेक्टर में नई एनर्जी ला सकती हैं। तुलसी गबार्ड पहले डेमोक्रेटिक पार्टी से जुड़ी थीं। हालांकि, अब रिपब्लिकन पार्टी का हिस्सा बन चुकी हैं। ट्रंप ने उन्हें संविधान के अधिकारों की रक्षक और शक्ति के माध्यम से शांति की समर्थक कहा है।

कांग्रेसवुमन से खुफिया निदेशक तक का सफर तुलसी गबार्ड ने 2013 से 2021 तक हवाई की दूसरी सीट से अमेरिकी कांग्रेस में डेमोक्रेटिक पार्टी का प्रतिनिधित्व किया। इस दौरान उन्होंने हाउस होमलैंड सिक्योरिटी कमेटी में भी काम किया। इसके अलावा, गबार्ड ने अमेरिकी सेना में भी दो दशक तक सेवा की है। तुलसी को इराक और कुवैत में तैनात किया गया था।

पति हैं सिनेमेटेग्राफर और पिता सीनेटर तुलसी गबार्ड की शादी सिनेमेटोग्राफर अब्राहम विलियम्स से हुई है। उनके पिता माइक गबार्ड एक राज्य सीनेटर हैं जो पहले रिपब्लिकन थे लेकिन बाद में डेमोक्रेटिक पार्टी में शामिल हो गए। तुलसी के जीवन का सफर काफी प्रेरणादायक है।

पहली अमेरिकी हिंदू कांग्रेसवुमन तुलसी गबार्ड की पहचान पहली हिंदू अमेरिकी कांग्रेसवुमन के रूप में की जाती है। गबार्ड ने अपनी शपथ भगवद गीता पर ली थी, जो उनके हिंदू धर्म के प्रति आस्था को दर्शाता है। हालांकि वे भारतीय नहीं हैं, लेकिन उनकी मां ने हिंदू धर्म अपनाया और सभी बच्चों को हिंदू संस्कृति में पाला। इस वजह से तुलसी और उनके सभी भाई-बहनों के नाम आम भारतीयों के नाम से मिलते जुलते हैं।

2020 में डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार रहीं 2020 में तुलसी गबार्ड ने डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार के रूप में अपनी दावेदारी पेश की थी। इस दौरान उन्होंने अपनी पार्टी की नीतियों की आलोचना भी की। बाद में 2022 में उन्होंने पार्टी छोड़ दी, उन्हें लगता था कि पार्टी में युद्ध समर्थक और वोक विचारधारा हावी हो चुकी है। इसके बाद गबार्ड ने रिपब्लिकन पार्टी का समर्थन किया।

महाराष्ट्र में चलती एम्बुलेंस में ऑक्सीजन सिलेंडर फटा आग लगी गर्भवती महिला की बाल-बाल बची जान

महाराष्ट्र के जलगांव जिले में एक दर्दनाक हादसा टल गया। एक गर्भवती महिला एम्बुलेंस में हुए धमाके में बाल-बाल बच गई। दरअसल, महिला को ले जा रही एम्बुलेंस में ऑक्सीजन सिलेंडर फट गया। देखते-देखते ही एम्बुलेंस धू-धू कर जल उठी। हादसे के वक्त एम्बुलेंस में गर्भवती महिला और का परिवार भी बैठा था। हालांकि, किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ। यह घटना जलगांव के दादावाड़ी इलाके के पास नेशनल हाईवे पर हुई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों में थोड़ी देर के लिए डर कायम हो गया।

एम्बुलेंस में आग लगने की क्या रही वजह जानकारी के मुताबिक, एम्बुलेंस जलगांव जिला अस्पताल जा रही थी, तभी अचानक ऑक्सीजन सिलेंडर फट गया। एम्बुलेंस में आग लग गई। ड्राइवर ने तुरंत एम्बुलेंस रोककर सभी सवारियों को बाहर निकलने को कहा। ड्राइवर ने आसपास के लोगों को भी सतर्क किया। सभी लोगों को सुरक्षित स्थान पर ले गया। देखते-देखते ही एम्बुलेंस में भीषण आग लग गई और कुछ ही मिनटों में पूरी एम्बुलेंस आग की लपटों में घिर गई। कुछ ही देर बाद धमाके की जोरदार आवाज भी सुनाई दी।

विस्फोट का वीडियो हुआ वायरल एम्बुलेंस में विस्फोट का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि एम्बुलेंस में आग किस तरह फैल गई और विस्फोट की आवाज दूर तक सुनी गई। इस धमाके के कारण आसपास के घरों की खिड़कियां भी टूट गईं। हालांकि, इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

उत्तर प्रदेश में भी हुई थी ऐसी घटना एक ऐसा ही हादसा पिछले महीने उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में हुआ था, जहां एक पेट्रोल पंप के पास खड़ी एम्बुलेंस में आग लग गई थी। चालक ने जैसे ही धुआं देखा, वह एम्बुलेंस से बाहर निकल आया। वहां मौजूद लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन ऑक्सीजन टैंक में विस्फोट होने से एक राहगीर घायल हो गया था।

समय रहते बचाई गई महिला की जान जलगांव के इस हादसे में समय रहते एम्बुलेंस ड्राइवर ने सूझबूझ से काम लिया। उसने न केवल सवारियों को सुरक्षित बाहर निकाला, बल्कि लोगों को भी इस घटना से दूर रहने के लिए सतर्क किया। उसकी इस सावधानी से एक बड़ा हादसा टल गया। गर्भवती महिला और उसका परिवार सुरक्षित है और घटना की वजह से स्थानीय लोग ड्राइवर की तारीफ कर रहे हैं।

पुलिस एम्बुलेंस विस्फोट की जांच में जुटी घटना के बाद पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि एम्बुलेंस को लेकर अभी कई तथ्य सामने आने बाकी हैं। इस तरह की घटनाओं के बाद एम्बुलेंस के रखरखाव और ऑक्सीजन टैंकों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस स्थानीय प्रशासन से इस संबंध में जानकारी ले रही है।

राजस्थान में बवाल: देवली-उनियारा में निर्दलीय प्रत्याशी के समर्थकों ने पुलिस पर किया पथराव, गाड़ियों में लगाई आग

देवली-उनियारा के समरावता गांव में उपचुनाव की वोटिंग के बीच बवाल हो गया। बुधवार (13 नवंबर) दोपहर को निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा ने स्छरू अमित चौधरी को थप्पड़ जड़ा। कुछ देर बाद नरेश के समर्थक मतदान केंद्र के सामने धरने पर बैठे। पुलिस बूथ के सामने से भीड़ को हटाने पहुंची तो समर्थकों ने पथराव कर दिया। देखते ही देखते कई गाड़ियों में आग लगा दी। पुलिस ने लोगों को खदेड़ने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। पथराव में 10 से ज्यादा पुलिसकर्मियों समेत कई लोग चोटिल हुए हैं। देर रात एरिया में इंटरनेट बंद कर दिया गया। गुरुवार सुबह एसटीएफ ने समरावता में गश्त की।

ऐसे शुरू हुआ विवाद, फिर बड़ा बवाल समरावता को देवली तहसील से हटवाकर उनियारा तहसील में जोड़ने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने बुधवार को मतदान का बहिष्कार कर दिया। धरने पर बैठे ग्रामीणों को समझाने निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा पहुंचे और स्छरू से बहस हो गई। नोंकझोंक के बीच धक्का-मुक्की की नौबत आ गई। इसी बीच गुस्से में नरेश ने दोपहर 1 बजे स्छरूके साथ मारपीट कर दी। । मीणा की पुलिस अधिकारियों से भी हाथापाई हुई थी। पुलिस ने नरेश मीणा को बूथ से बाहर कर दिया। कुछ देर के लिए मामला शांत हो गया।

धरने से उठने को कहा तो पथराव करीब एक घंटे बाद नरेश मीणा समर्थकों के साथ मतदान केंद्र के बाहर धरने पर बैठ गए थे। मीणा का कहना था कि जब तक लिखित में इस गांव को देवली में शामिल करने का आश्वासन नहीं मिल जाता, वे धरने पर बैठे रहेंगे। मतदान खत्म होने के बाद पोलिंग पार्टियों को रवाना करने के लिए पुलिस नरेश मीणा के समर्थकों को हटाने आई तो बवाल मच गया। मीणा के समर्थक भड़क गए और पुलिस पर पत्थरबाजी कर कर दी। समर्थकों ने कई वाहनों में आग भी लगा दी।पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले भी छोड़े और हवाई फायरिंग भी की है।

एसपी की गाड़ी भी क्षतिग्रस्त पथराव की घटना से अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। पथराव में एसपी की गाड़ी भी क्षतिग्रस्त हुई है। धौलपुर से एसटीएफ और चुनाव में लगाए गए आसपास के सुरक्षाबलों को भी यहां तैनात कर दिया है। गुरुवार सुबह 6ः40 बजे एसटीएफ ने समरावता में गश्त की। पुलिस ने नरेश मीणा को पुलिस हिरासत में लिया लेकिन समर्थक बाद में उसको छुड़ा ले गया।

नरेश मीणा ने लगाया आरोप नरेश मीणा का आरोप है कि उनके धरने में शामिल लोगों के लिए बाहर से खाना आया था। पुलिस ने टोल पर खाने के पैकेट रोक लिए। इस पर वह अकेले ही धरनास्थल से उठकर पुलिस अधिकारी से बात करने पहुंचे थे, लेकिन पुलिस ने उनको पकड़ लिया। जैसे ही समर्थकों को पता चला तो वे नरेश मीणा को छुड़ा ले गए।

आंध्र प्रदेश में सोशल मीडिया पर बड़ा क्रैकडाउन- आपत्तिजनक पोस्ट के खिलाफ एक्शन में सरकार, 100 केस दर्ज, 39 गिरफ्तार

आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू सरकार ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट्स के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं। राज्य सरकार ने 100 मामले दर्ज किए हैं और 39 लोगों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई उन पोस्ट्स पर की गई है, जिनमें राज्य की अलग अलग पार्टियों के नेताओं और उनके परिवारों को निशाना बनाया गया था। पुलिस का कहना है कि इस तरह की पोस्ट्स से अलग अलग लोगों के समूहों में संघर्ष पैदा हो सकता है।

नेताओं और उनके परिवारों को निशाना बनाने पर सख्ती इनमें से कई पोस्ट्स में मुख्य रूप से मुख्यमंत्री नायडू की पत्नी भुवनेश्वरी, उनके बेटे और मंत्री नारा लोकेश की पत्नी ब्राह्मिणी और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण की बेटियों को टारगेट किया जा रहा था। साथ ही, राज्य कांग्रेस अध्यक्ष वाईएस शर्मिला को भी निशाना बनाया गया। सरकार ने स्पष्ट किया है कि ऐसे आपत्तिजनक पोस्ट्स पर कड़ा एक्शन लिया जाएगा, ताकि समाज में शांति बनी रहे।

मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से संयम बरतने की अपील की मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने अपनी पार्टी के सदस्यों से अपील की है कि वे उकसावे वाली पोस्ट्स पर संयमित प्रतिक्रिया दें। नायडू ने पार्टी के कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया है कि शालीनता से पेश आएं। सरकार का कहना है कि सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही अफवाहों से निपटने के लिए पुलिस की जांच तेज की जाएगी। दोषियों को कानून के दायरे में लाया जाएगा।

यह इलिगल डिटेंशन का मामला है- जगन मोहन आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम और वाईएसआरसीपी के अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने कहा कि इस मामले में मामले दर्ज किए जाने चाहिए।अगर किसी की पोस्ट आपको पसंद नहीं है तो आप उसे नोटिस भेजिए, मामले दर्ज किए। लेकिन एक व्यक्ति के खिलाफ पांच पांच जगहों पर मामला दर्ज किया जा रहा है और उन्हें हर जगह ले जाया जा रहा है।

जिरीबाम में फिर भड़की हिंसा, महिला की निर्मम हत्या,17 घर फूंके, उग्र हुए कूकी संगठन

मणिपुर के जिरीबाम जिले में एक दर्दनाक घटना ने राज्य को फिर से हिंसा की आग में झोंक दिया है। तीन बच्चों की मां को पहले टॉर्चर किया गया, फिर जिंदा जलाकर उसकी हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद से इलाके में हिंसा भड़क गई है। जिरीबाम के जरवान गांव में 17 से ज्यादा घरों को आग लगा दी गई। स्थानीय संगठनों ने इसे अमानवीय करार देते हुए आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा- टॉर्चर के निशान मिले महिला की मौत के बाद किए गए पोस्टमार्टम से सामने आया कि उसे बर्बरता से टॉर्चर किया गया था। असम के सिलचर मेडिकल कॉलेज में हुए पोस्टमार्टम में पाया गया कि महिला का 99त्न शरीर जल चुका था, जिसके कारण कई अंगों की जांच भी नहीं हो पाई। रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि उसके पैर में एक धातु की कील फंसी थी और शरीर के कई हिस्से गायब थे।

गांव में मची अफरा-तफरी, 17 घरों में आग इस घटना में महिला के घर को भी आग के हवाले कर दिया गया। जिरीबाम के जरवान गांव में इस बर्बरता के बाद 17 घरों में भी आग लगा दी गई। इस घटना से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। कई लोग अपना घर छोड़ने पर मजबूर हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

कूकी-जो संगठनों ने जताया विरोध महिला की इस दर्दनाक हत्या पर कूकी-जो आदिवासी संगठनों ने कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने इस घटना को 'बर्बर' बताया और सुरक्षा बलों से दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। संगठन ने कहा कि केंद्र सरकार को इस मामले में दखल देना चाहिए। संगठन ने सरकार से आदिवासी समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है।

मणिपुर ताजा हिंसा के बाद हालात तनावपूर्ण महिला की इस निर्मम हत्या के बाद मणिपुर में माहौल फिर से गर्म हो गया है। बीते कुछ दिनों में किसी महिला की निर्ममता से हत्या की यह दूसरी घटना है। बीते हफ्ते इंफाल घाटी के बिष्णुपुर जिले में एक मैतई महिला किसान की हत्या कर दी गई थी। बढ़ती हिंसा के बीच, स्थानीय लोग बेहद डरे हुए हैं।

पुलिस स्थिति को काबू करने में जुटी मणिपुर पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है और महिला के शव को सिलचर भेजा गया था, क्योंकि मणिपुर की बिगड़ी हालत के कारण इंफाल तक शव ले जाना असंभव था। पुलिस ने कहा कि स्थिति को काबू में रखने की हर संभव कोशिश की जा रही है। इलाके में तनावपूर्ण माहौल कायम है। इस बीच स्थानीय लोगों ने सुरक्षा की मांग की है।

घर के बाहर खेल रहे बच्चे पर चढ़ा दी कार, महिला चिल्लाई तो गाड़ी लेकर भागा ड्राइवर

बैतूल में दर्दनाक हादसा हो गया। घर के बाहर खेल रहे बच्चे के ऊपर एक शख्स ने कार चढ़ा दी। गाड़ी का पहिया बच्चे के पैरों से गुजरा। महिला चिल्लाई लेकिन ड्राइवर कार लेकर फरार हो गया। परिजन 4 साल के बच्चे को अस्पताल पहुंचे। बच्चे का इलाज चल रहा है। परिजन ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। घटना चंद्रशेखर वार्ड की है। पुलिस कार ड्राइवर की तलाश में जुट गई है।

चंद्रशेखर वार्ड निवासी अयांश(4) बुधवार दोपहर को घर के बाहर साइकिल चला रहा था। बच्चे की मौसी अर्चना खड़े होकर अयांश को देख रही थी। तभी ग्रे कलर की कार आई। कार रुकी तो एक महिला उतरी। साइकिल चला रहे अयांश के पीछे कार खड़ी थी। इसी बीच ड्राइवर ने अयांश को कुछ कहा। अयांश खड़ा हो गया। थोड़ी देर बार अयांश के ऊपर ड्राइवर ने कार चढ़ा दी। अयांश गिर गया और कार का पिछला टायर उसके पैर के ऊपर से निकल गया। बच्चे की मौसी चिल्लाई लेकिन ड्राइवर गाड़ी लेकर भाग गया।

जानबूझकर चढ़ाई कार परिजन तुरंत बच्चे को अस्पताल लेकर पहुंचे। बच्चे का इलाज चल रहा है।

कोर्ट और तुम्हें बम से उड़ा देंगे: इलाहाबाद हाईकोर्ट को धमकी मिलने से हड़कंप, पाक नंबर से आई रिकॉर्डिंग

उत्तरप्रदेश से बड़ी खबर है। इलाहाबाद हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि केस के पक्षकार आशुतोष को वॉट्सऐप पर रिकॉर्डिंग भेजकर जान से मारने की धमकी दी गई है। धमकी देने वाले ने बुधवार (13 नवंबर) रात पाकिस्तान नंबर से ऑडियो रिकॉर्डिंग भेजकर कहा कि पहले कोर्ट और फिर तुम्हें बम से उड़ा देंगे। रिकॉर्डिंग भेजने वाले ने अपशब्द भी कहे हैं। धमकी भरी रिकॉर्डिंग आने के बाद आशुतोष ने शामली पुलिस से शिकायत कर दी है।

इस नंबर से 22 ऑडियो रिकॉर्डिंग आई शामली के कांधला निवासी आशुतोष पांडेय श्री कृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह मामले में पक्षकार हैं। आशुतोष श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष भी हैं। बुधवार रात 9. 30 बजे आशुतोष को वॉट्सऐप पर 22 ऑडियो रिकॉर्डिंग मिली। यह सभी पाकिस्तान के नंबर +92 302 9854231 से भेजी गई थीं। आशुतोष ने रिकॉर्डिंग को सुना तो उसमें हाईकोर्ट और उनको बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी।

19 को कोर्ट और 20 को तुम्हें उड़ा देंगे रिकॉर्डिंग भेजने वाले ने कहा कि 19 नवंबर 2024 को इलाहाबाद हाईकोर्ट को बम से उड़ा दिया जाएगा। ये भी कहा कि तुम भी नहीं बचोगे, तुम्हें 20 नवंबर 2024 को बम से उड़ा देंगे। इसके अलावा रिकॉर्डिंग भेजने वाले ने अपशब्द कहे।

दिल्ली-एनसीआर में आज घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट, हरियाणा में 12 जिलों में भी छाया घना कोहरा

दिल्ली-एनसीआर में सर्दी ने दस्तक दे दी है। पिछले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में 3 डिग्री की गिरावट देखने को मिली है। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में तापमान अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। जिसके चलते ठंड बढ़ेगी और सुबह-शाम कोहरा छाया रहेगा। आइए जानते हैं कि आज का मौसम कैसा रहने वाला है। मौसम विभाग की मानें, तो गुरुवार सुबह और शाम को घना कोहरा छाया रहेगा। जिसके चलते घने से घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। ताकि, लोग सड़क पर वाहन चलाने में सावधानी बरते। वहीं एयरपोर्ट, रेलवे और हाईवे के लिए भी ऑरेंज अलर्ट जारी है। जिसके चलते यातायात प्रभावित रह सकता है। कई फ्लाईट्स और ट्रेन देरी से चल सकती है। दिल्ली का आज का अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। इसके अलावा नोएडा में अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। वहीं गाजियाबाद में अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 15 तापमान डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया जा सकता है।

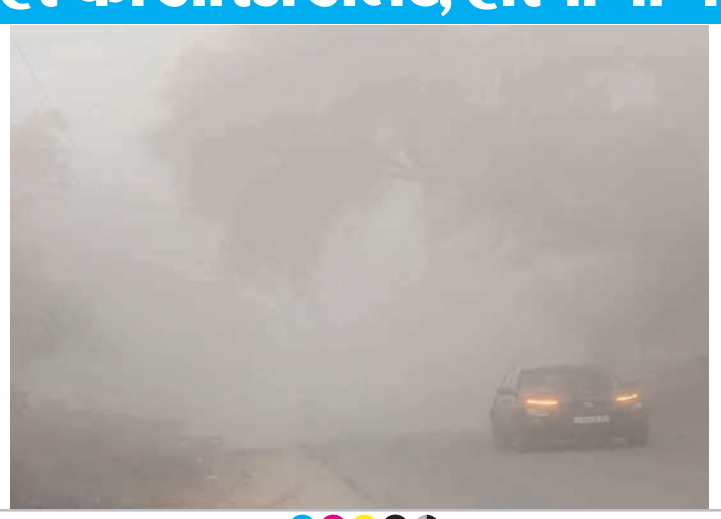

हरियाणा में अगले दो दिनों तक छाएगा घना कोहरा

आईएमडी चंडीगढ़ की मानें, तो हरियाणा के कई जिलों में अगले दो दिनों तक घना कोहरा छाया रहेगा। जिसके चलते मौसम विभाग की ओर से घने कोहरे का येलो अलर्ट जारी कर दिया है। वहीं सुबह शाम लोगों को स्वेटर वाली ठंड सता रही है। लोग अपने घरों से स्वेटर, जैकेट और टोपा लगाकर निकल रहे है। आज का अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 15 तापमान डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। इसके अलावा शुक्रवार को अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 15 तापमान डिग्री सेल्सियस रह सकता है। मौसम विभाग की मानें, तो आने वाले दिनों में हरियाणा के तापमान में भारी गिरावट देखने को मिलेगी। जिसके चलते प्रदेश में दिसंबर के पहले हफ्ते में कड़ाके की ठंड शुरू हो सकती है।

1362 फ्लैट बनाए जाएंगे

उद्योगों के कर्मचारियों के लिए बनेगी टाउनशिप

सिटी चीफ इंदौर।

पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारी-अफसरों को इंदौर और आसपास के शहरों से अपडाउन न करना पड़े, इसलिए मप्र औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) उद्योगों के समीप ही आवासीय टाउनशिप तैयार करने की योजना पर काम कर रहा है।

दरअसल केंद्र सरकार की मंशा है कि औद्योगिक क्षेत्रों में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए उसी क्षेत्र में आवासीय सुविधाएं विकसित की जाए ताकि उन्हें कार्यस्थल तक जाने में परेशानी न हो।

टाउनशिप विकसित की जाएगी

इसलिए एमपीआईडीसी ने दो प्रोजेक्ट का प्रस्ताव बनाकर केंद्र सरकार के आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय को भेजा है। जिसमें इंदौर जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं वाली आवासीय सोसायटियों की तर्ज पर पीथमपुर में टाउनशिप विकसित की जाएगी।

पीथमपुर के सेक्टर-1 और 6 में दो टाउनशिप में बनने वाली 22 इमारतों में 1362 फ्लैट तैयार किए जाएंगे।

टाउनशिप परिसर में गार्डन, सीसीटीवी सर्विलांस, पार्किंग, चौड़ी सड़कें, प्ले जोन, लिफ्ट, फायर सेफ्टी आदि सुविधाएं मिलेंगी। पीथमपुर में पायलट प्रोजेक्ट के तहत टाउनशिप विकसित की जाएंगी। प्रयोग सफल होने पर प्रदेश के अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में भी इसे लागू किया जाएगा।

लोग रोज अपडाउन करते हैं

पीथमपुर में एक हजार से अधिक उद्योग संचालित किए जा रहे हैं। इन उद्योगों में मप्र सहित अन्य प्रदेशों से आए लाखों कर्मचारी काम करते हैं। इनमें से एक लाख से अधिक लोग इंदौर, राऊ और महू से अपडाउन करते हैं। हर वर्ष इस औद्योगिक क्षेत्र में सात फीसद की दर से कर्मचारियों की बढ़ोतरी हो रही है।

एमपीआईडीसी ने इन्हीं बिंदुओं को लेकर कुछ समय पहले सर्वे किया था, जिसमें पता चला कि पीथमपुर में इन कर्मचारियों के लिए किफायती बजट में 15 से 20 हजार घरों की जरूरत है। इधर पीथमपुर के आसपास निजी कॉलोनियों में जमीन के दाम आसमान छू रहे हैं।

आवासीय टाउनशिप की प्लानिंग श्रमिकों को मलिन बस्तियों और अवैध बस्तियों में अस्वच्छ परिस्थितियों में रहने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इसलिए एमपीआईडीसी ने पीथमपुर के सेक्टर-1 और 6 में आवासीय टाउनशिप की प्लानिंग की है।

हाल ही में इन दोनों टाउनशिप का मसौदा तैयार कर स्वीकृति के लिए मुख्यालय भेजा गया है। संभवतः आगामी वर्ष में इन प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो जाएगा। दोनों टाउनशिप में गार्डन, सीसीटीवी सर्विलांस, पार्किंग, प्ले जोन, लिफ्ट, फायर सेफ्टी जैसी अनेक सुविधाएं रहेंगी।

नए साल में इंदौर में बुजुर्गों को मिलेगा सीनियर सिटीजन कांप्लेक्स

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर शहर में बुजुर्गों के लिए इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) द्वारा पहली बार सीनियर सिटीजन कांप्लेक्स का निर्माण कराया जा रहा है। नए साल में इस कांप्लेक्स की सुविधा मिल सकेगी। यहां पर आधुनिक सुविधाएं जुटाई गई हैं। सेहत और तंदुरुस्ती का ख्याल रखते हुए फिजियोथैरेपी सेंटर, योगा कक्ष, डॉक्टर रूम और जरूरी वस्तुओं की दुकानें भी बनाई गई हैं।

इमारत का 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और अब फिनिशिंग का कार्य किया जा रहा है। आईडीए ने 60 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों के लिए सीनियर सिटीजन कांप्लेक्स का निर्माण करीब दो साल पहले शुरू किया था।

निर्माण कार्य अंतिम चरण में पहुंच चुका है और सभी काम आने वाले माह तक पूरे कर लिए जाएंगे। बहुमंजिला कांप्लेक्स में 32 फ्लैट एक और दो बीएचके के बनाए गए हैं।

इसके अलावा पार्किंग के लिए भी तल मंजिल पर सुविधा दी गई है। कांप्लेक्स में दो आधुनिक लिफ्ट और अन्य सुविधाएं रहेंगी। पूरे कांप्लेक्स में फिसलन रहित फ्लोर बनाए गए हैं।

शहर में पहली बार ये सुविधाएं दी जा रहीं इंदौर में पहली बार बुजुर्गों के लिए कांप्लेक्स बनाया जा रहा है। 60 साल की उम्र पूरी कर चुके बुजुर्गों को ही इन फ्लैट का आवंटन किया जाएगा। अब तक पुणे और बेंगलुरू में इस तरह के सीनियर सिटीजन कांप्लेक्स संचालित हो रहे हैं।

अकेले रहने वाले बुजुर्गों को मिलेगा परिवार

जिन बुजुर्गों के बच्चे नौकरी या अन्य कार्य के कारण दूसरे शहरों या विदेश में रहते हैं, ऐसे बुजुर्गों को इस कांप्लेक्स में परिवार मिल सकेगा। कांप्लेक्स में अन्य गतिविधियों के लिए भी कक्ष बनाए गए हैं।

यह मिलेंगी सुविधाएं

कांप्लेक्स में रहेगी दो बड़ी लिफ्ट।
पूरे कांप्लेक्स में फिसलन रहित फर्श बनाए गए हैं।
डॉक्टर व नर्सिंग कक्ष की सुविधा।
फिजियोथैरेपी और योगा कक्ष।
तल मंजिल पर बनाई गईं दुकानें।
सीसीटीवी कैमरों से ह निगरानी।
सिर्फ बुजुर्गों को अलाट होंगे फ्लैट। तैयार की जा रही योजना आईडीए अधिकारियों का कहना है कि इस साल के आखरी तक कांप्लेक्स का काम पूरा हो जाएगा। संचालन को लेकर अभी तक योजना नहीं बनी है। जल्द ही संचालन के नियम और शर्तें तय होंगी और बोर्ड बैठक में प्रस्ताव रखा जाएगा।

अफसरों का कहना है कि कॉम्प्लेक्स के फ्लैट का विक्रय या किराए पर दिया जा सकता है। कांप्लेक्स का संचालन आईडीए खुद नहीं करेगा।

एमवाय अस्पताल में मरीज को अलग बेड नहीं मिला तो उसके परिवार वालों ने डॉक्टरों पर किया हमला

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के रसोमा लेबोरेटरी चौराहे के समीप शगुन आर्केड बिल्डिंग की दूसरी मंजिल के एक दफ्तर में मंगलवार शाम को आग लग गई। बिल्डिंग के चौथे माले पर वेंटिलेशन की पर्याप्त जगह नहीं है। इस कारण बिल्डिंग की चौथी, पांचवीं मंजिल पर धुआं भर गया और वहां पर दफ्तरों में काम करने वाला स्टाफ फंस गया। इस कारण अफरा-तफरी मच गई। फायर बिग्रेड की दमकल मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। मौके पर विजय नगर व आसपास के थानों की पुलिस भी पहुंच गई थी और उन्होंने उपरी मंजिल पर फंसे लोगों को सुरक्षित निकाला। इस घटना में कोई घायल तो नहीं हुआ, लेकिन लोगों के फंसे रहने के कारण अफरा-तफरी मच गई। फंसे लोगों को धुएं के कारण सांस लेने में भी तकलीफ हो रही थी। फंसे लोगों में कुछ महिला कर्मचारी भी थी। धुएं में फंसे लोगों ने मदद के लिए अपने परिजनों व परिचितों को भी कॉल कर दिए। इस कारण मौके पर काफी भीड़ जमा हो गई थी। आग लगने की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी। संभवतः शार्ट सर्किट के कारण आग लगी।

सीढियो के रास्ते ही लोगों को निकाला

नगर निगम से क्रेन बुलवाई गई। जिसमें लोगो को बाहर निकालने की कोशिश की गई। लेकिन फायरकर्मियों ने सीढियो के रास्ते ही वहां फंसे लोगो को बाहर किया। आग को लेकर कई लोगो के फंसे होने की यहां अफवाह फैलाई गई थी। बाद में फायर कर्मियो ने पूरी बिल्ड़ीग में सर्चिंग की। लेकिन अदंर कोई नही मिला।

बिल्डिंग की उपरी मंजिल पर पंद्रह से ज्यादा लोग फंस गए थे। उन्हें धुएं के कारण सांस लेने में परेशानी भी हो रही थी, हालांकि उनकी हालत खतरे से बाहर है, लेकिन प्राथमिक इलाज के लिए समीप के वेंदाता अस्पताल पहुंचाया। एक युवती धुएं के कारण बेहोश भी हो गई थी। आग की सूचना के बीच यहां पर कलेक्टर आशीष सिंह,एडीशनल पुलिस कमिश्नर अमित सिंह,एडीशनल डीसीपी अमरेंद्रसिंह और आईपीएस आदित्य पटोले मौके पर पहुंचे थे। लेकिन उनके पहुंचने के पहले ही आग पर काबू किया गया।

दामाद को रेपकांड में फंसने की बात कहकर ठगे एक लाख

सिटी चीफ इंदौर।

तुम्हारा दामाद रेपकांड में गिरफ्तार हुआ है। पुलिस उसे अन्य आरोपितों के साथ थाने ले जा रही है। बचाना हो तो दो लाख रुपये जमा करवा दो। किसी को बताया तो मुश्किल में पड़ जाओगे। साइबर अपराधियों ने अनाज कारोबारी को इसी तरह धमका कर एक लाख रुपये वसूल लिए। इसी बीच परिचित घर पहुंच गए और एक लाख रुपये बच गए। आरोपित पुलिस अफसर की वर्दी पहन कर वीडियो काल पर धमका रहे थे।

जूनी इंदौर थाना अंतर्गत आने वाले स्नेहनगर के रहने वाले वृद्ध कारोबारी ने क्राइम ब्रांच की साइबर सेल में शिकायत दर्ज करवाई है। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे कारोबारी के मोबाइल पर अनजान नंबर से कॉल आया था। पुलिस की वर्दी पहन कर वीडियो कॉल कर रहे आरोपित ने दामाद का नाम बताया और कहा कि उसे रेप के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है।

फरियादी के मुताबिक आरोपितों ने स्वयं को सीबीआघई अफसर बताया था। काल कर कहा कि बेटे ने रेप नहीं किया लेकिन आरोपितों के साथ पकड़ा गया है। आरोपितों ने रोने की आवाज सुनाई और कहा कि बेटे को पुलिसकर्मी पीट रहे है।

दो लाख मांगे

कारोबारी ने दूसरे नंबर से दामाद को कॉल लगाया लेकिन बैंक में होने के कारण बात नहीं हुई। इससे आरोपितों की बातों पर विश्वास हो गया। कारोबारी को डिजिटल अरेस्ट कर दो लाख रुपये मांगे। एक लाख रुपये तो उन्होंने तत्काल आरोपितों द्वारा बताए खाते में ट्रांसफर कर दिए।

इसी बीच उनका परिचित घर आ गया, उसे देख कारोबारी दूसरे रुम में गए तो शक हुआ। उस वक्त भी आरोपित कारोबारी से पूछताछ कर रहे थे। परिचित द्वारा पूछताछ करते ही आरोपितों ने फोन काट कर दिया।

खाता फ्रीज करवाते ही आरोपितों ने कॉल लगाया

परिचित ने बताया उनके साथ ठगी हुई है। उसने कारोबारी से साइबर हेल्प लाइन और बैंक में शिकायत दर्ज करवाई। बैंक द्वारा खाता फ्रीज किया लेकिन 75 हजार रुपये ठग निकाल चुके थे। कारोबारी पुलिस कंट्रोल रूम आए तो ठग ने पुनःकाल कर कहा कि तुमने उनकी शिकायत क्यों की है। शिकायत वापस लेने पर पूरे रुपये लौटा देंगे।

दरअसल आरोपित फ्रीज खाते से 25 हजार रुपये निकालना चाहते थे। आरोपितों ने जिस खाते में रुपये जमा करवाए वह मुजफ्फरनगर का निकला है। डीपी पर कस्टम अफसर का फोटो लगा था।

विज्ञानी बेटे को गिरफ्तार करने की धमकी देकर 50 हजार ठगे

लसूड़िया थाना क्षेत्र स्थित निवासी ट्रांसपोर्टर भी साइबर अपराध का शिकार हो गए। ट्रांसपोर्टर का बेटा बैंगलूरु में विज्ञानी है। आरोपितों ने ट्रांसपोर्टर से कहा कि तुम्हारा बेटा रेप के आरोपितों के साथ गिरफ्तार हुआ है।आरोपितों ने आठ लाख रुपये से तोड़बट्टा शुरु किया और 50 हजार रुपये वसूल कर लिए।

इंदौर में लूट की वारदात को अंजाम देने वाले उज्जैन रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी में आए नजर

सिटी चीफ इंदौर।

सीरियल लूट के आरोपितों का तीसरे दिन भी पता नहीं चला। पुलिस सीसीटीवी फुटेज से कड़ियां जोड़ रही है। अंतिम लोकेशन उज्जैन की मिली है। ताजा फुटेज में उज्जैन बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन में नजर आ रहे हैं। उधर दिल्ली, गुजरात, देवास सहित अन्य शहरों में भी टीमें भेजी गई हैं। तुकोगंज थाना अंतर्गत रेसकोर्स रोड पर बिल्डर कमलेश अग्रवाल और पड़ोसी पिंकेश शाह को लूटने के बाद बदमाश सीधे बाणगंगा के गणेशधाम कॉलोनी गए थे। औद्योगिक क्षेत्र में बाइक छोड़ने के बाद बस से सीधे उज्जैन पहुंचे।

बाइक से बदमाशों के फिंगर प्रिंट लिए

डीसीपी जोन-3 डॉ.हंसराजसिंह ने बताया कि पुलिस ने फोरेंसिक अफसरों की मदद से बाइक से बदमाशों के फिंगर प्रिंट लिए हैं। अपराधियों के डेटा का राष्ट्रीय स्तर पर मिलान करवाया जा रहा है। पुलिस ने बस चालक और क्लीनर से पूछताछ की, तो बताया दोनों अपराधियों को उज्जैन के नानाखेड़ा पर उतारा था।

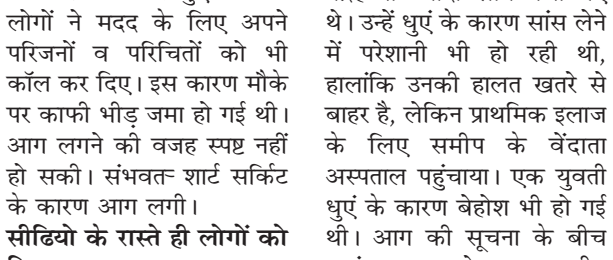

इसके बाद तुकोगंज और ग्वालटोली पुलिस ने उज्जैन में डेरा डाल दिया। सीसीटीवी फुटेज से कड़ियां जोड़ते हुए बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पहुंचे तो अपराधी फुटेज में नजर आ रहे हैं। पुलिस आयुक्त संतोष कुमारसिंह ने उज्जैन पुलिस को जांच में शामिल किया है। उधर संदेह के आधार पर देवास,अहमदाबाद,दिल्ली और भोपाल टीम रवाना की गई है।

दिल्ली-मेरठ के गिरोह का डेटा मंगा रही पुलिस

पुलिस को जानकारी मिली कि तुकोगंज,विजयनगर में लूट,ग्वालटोली में चोरी और परदेशीपुरा, एमजी रोड में लूट का प्रयास करने वाले बदमाश 2021 में गुना में भी वारदात कर चुके हैं। पुलिस ने ओमवीर जाट और सुनील की जानकारी जुटाई है, जो इसी तरह लूट करते हैं। इस सूचना के बाद पुलिस ने दिल्ली-मेरठ पुलिस से भी संपर्क साधा है। पुलिस ने करीब 15 जगहों से सीसीटीवी फुटेज निकाले हैं। सभी फुटेजों में आरोपितों का हुलिया स्पष्ट हो गया है। पुलिस ने सुनील और रामवीर के पुलिस रिकॉर्ड से फोटो भी निकाला है। बिल्डर कमलेश ने आरोपितों की पहचान लिया है। इसके बाद पुलिस ने दूसरे राज्यों की पुलिस से संपर्क कर तलाश शुरू कर दी है। पुलिस अब उज्जैन में बस स्टैंड से फुटेज निकाल कर यह जानकारी जुटा रही है कि आरोपित किस बस से भागे हैं।

भोपाल में टेलीकॉम इंजीनियर को छह घंटे रखा डिजिटल अरेस्ट

मांगे साढ़े तीन लाख रुपये, चार दिन में दूसरी घटना

सिटी चीफ भोपाल।

राजधानी के बजरिया थाना क्षेत्र के गायत्री नगर में रहने वाले एक निजी कंपनी में टेलीकॉम इंजीनियर 38 वर्षीय प्रमोद कुमार को छह घंटे तक डिजिटल अरेस्ट रखने का मामला सामने आया है। भोपाल शहर में चार दिन में डिजिटल अरेस्ट की यह दूसरी घटना है। ऑफिस के अधिकारी की सूचना के बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने टेलीकॉम इंजीनियर के घर पहुंचकर सुरक्षा का भरोसा दिया और रेस्क्यू कर मामले को सुलझाया। पुलिस कमिश्नर हरिनारायणाचारी मिश्र ने बताया कि टेलीकॉम इंजीनियर प्रमोद कुमार के पास मंगलवार शाम छह से रात 12 बजे तक मुंबई क्राइम

ब्रांच, ट्राई, आर्थिक अपराध शाखा के अधिकारी बनकर लगातार फोन आ रहे थे। वे उन्हें धमका रहे थे कि उनके आधार कार्ड से कई मोबाइल नंबर की सिम लिंक हैं और उनमें एक सिम का उपयोग अपहरण कर फिरौती मांगने में हुआ है। छह घंटे तक बदमाशों ने उन्हें डिजिटल अरेस्ट करके रखा था। उनकी पत्नी के मोबाइल नंबर बंद कर दिए गए थे।

ऐसे खुला राज

इस दौरान उनसे साढ़े तीन लाख रुपये भी मांगे गए। वह किसी का फोन नहीं उठा रहे थे। बुधवार को जब वह ऑफिस की ऑनलाइन बैठक में नहीं जुड़े, तो उनके अधिकारी ने एक कर्मचारी को उनके घर भेजा। जहां पत्नी से बात करने पर उन्होंने पूरा घटनाक्रम बताया। बाद में ऑफिस की ओर से क्राइम ब्रांच को सूचना दी गई। तब जाकर यह पूरा मामला खुलाकर सामने आया।

24 घंटे निगरानी में रखे थे

क्राइम ब्रांच के एडीसीपी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि प्रमोद कुमार के स्वजन काफी घबराए हुए थे। उन्हें साइबर बदमाशों ने 24 घंटे निगरानी में रखा था। किसी तरह से उन्हें उनके स्वजन ने घर से बाहर निकाला। ठगों के फोन आने के बाद वह किसी का फोन नहीं उठा रहे थे। इस दौरान लगातार उन्हें डराने के लिए सीबीआई का नाम लेकर नोटिस भी उनको ऑनलाइन भेजे गए। उन्हें बुरी तरह से डरा दिया गया था। काफी देर काउंसिलिंग करने के बाद वह सामान्य हुए।

अलग-अलग चार से पांच कॉल आए

प्रमोद कुमार के पास अलग-अलग तरह से करीब चार से पांच फोन आए। किसी ने उनको अपहरण में उनके मोबाइल नंबर इस्तेमाल को लेकर धमकाना शुरू किया तो कोई उनको बैंक खातों में करोड़ों के गैरकानूनी लेनदेन कर आर्थिक अपराध में उनके शामिल होने की बात कह रहा था। कोई फोन कर उनको इन अपराधों में सजा की जानकारी दे रहा था तो कोई उन्हें ऑनलाइन नोटिस भेज रहा था। फोन करने वालों के पास प्रमोद से जुड़ी पूरी जानकारी थी कि वह कितने बजे ऑफिस जाते हैं और कितने बजे वापस आते हैं। उनका बैंक खाता किस बैंक में हैं। यहां तक कि उन्होंने कब-कहां से लोन लिया है। उनके फोन की पूरी हिस्ट्री भी उनके पास थी। उनके पास वेटिंग में आ रहे सभी फोन नंबर की जानकारी थी। ठग उन्हें फोन कर धमका रहे थे।

इनको सुलझाने कल से महा अभियान

तहसीलों में अटके हैं नामांतरण के 2.31 लाख मामले

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश के 55 जिलों की 428 तहसीलों में लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए 15 नवंबर से राजस्व महा अभियान 3.0 शुरू होने जा रहा है। यह अभियान 15 दिसंबर तक चलेगा। इसमें सबसे बड़ी चुनौती नामांतरण के विवादों का निपटारा है। 428 तहसीलों में कुल दो लाख 31 हजार 595 नामांतरण के प्रकरण अब भी लंबित हैं।

राजस्व न्यायालयों में मामलों के लंबित रहने की वजह से हो रहे विवादों को रोकना प्रशासन की बड़ी चुनौती रही है। राजस्व मामलों के समय सीमा में निपटारे का प्रयास विफल रहने के बाद सरकार ने महा अभियान शुरू कराए थे।

15 जनवरी से चला था पहला महा अभियान

इस साल पहला महा अभियान 15 जनवरी से 15 मार्च तक चला था। इसमें 30 लाख राजस्व मामलों का निपटारा हुआ। दूसरा महा अभियान 18 जुलाई से 31 अगस्त तक चला था। उस बार 50 लाख राजस्व मामलों का निपटारा हुआ। इन दोनों अभियानों में दो लाख 71 हजार 636 नामांतरण के मामलों का निराकरण हुआ।

पिछले दो महा अभियानों की सफलता के बाद मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने राजस्व महा अभियान 3.0 शुरू करने का निर्देश दिया था। अब सभी जिलों के कलेक्टर और संभागायुक्तों को अभियान चलाकर लंबित राजस्व प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं।

अब तक 18 लाख नामांतरणों का निराकरण

प्रदेश की 428 तहसीलों में अब तक 18 लाख 95 हजार 239 नामांतरण के प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया जा चुका है। दरअसल, साइबर तहसीलों के गठन के बाद से नामांतरण की प्रक्रिया सरल हो गई है, जिसका यह परिणाम है कि अब 15 दिन में ही अधिकांश प्रकरण निराकृत हो जाते हैं।

इनमें अविवादित सबसे अधिक 18 लाख 20 हजार 271 और विवादित कुल 74 हजार 968 प्रकरण शामिल हैं।

मध्य प्रदेश की तहसीलों में नामांतरण के मामलों की स्थिति

अविवादित नामांतरण
कुल मामले - 20,46,635
जिनका समाधान हो गया - 18,20,271
लंबित मामले - 2,26,364
विवादित नामांतरण
कुल मामले - 80,199
जिनका समाधान हो गया - 74,968
लंबित मामले - 5,231

भोपाल रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतरते समय यात्री का पैर फिसला, कंधे में आई चोट

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल रेलवे स्टेशन पर इन दिनों ट्रेन से उतरते समय फिसलने की घटनाएं ज्यादा हो रही हैं। रविवार 10 नवंबर को समता एक्सप्रेस से उतरते समय एक महिला बिंदु परिहार की मौत हो गई थी। वहीं, बुधवार को चलती ट्रेन से उतरने की कोशिश में 42 वर्षीय एक व्यक्ति का पैर फिसल गया और वह प्लेटफॉर्म पर गिर गया। भोपाल रेलवे स्टेशन पर सुबह आठ बजे हुए इस हादसे में यात्री के कंधे पर गंभीर चोट आई है। रेलकर्मियों ने एंबुलेंस के जरिए घायल यात्री को अस्पताल भेजा। उसकी हालत में अब सुधार है।

रेलवे सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक घायल यात्री का नाम विवेक मिश्रा है। वह इंदौर के रहने वाले हैं। वह 12807 समता एक्सप्रेस ट्रेन में सफर कर रहे थे और विशाखापट्टनम से ट्रेन में

सवार हुए थे। भोपाल से उन्हें इंदौर जाने के लिए दूसरी ट्रेन पकड़नी थी।

बुधवार सुबह जैसे ही समता एक्सप्रेस ट्रेन भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर आकर रुकी, विवेक ट्रेन बदलने के लिए अपनी बोगी से उतरने लगे। तभी उनका पैर फिसला और वह प्लेटफॉर्म पर धड़ाम से गिरकर बेहोश हो गए।

इस दौरान उप स्टेशन अधीक्षक जावेद अंसारी ने एंबुलेंस बुलाकर घायल यात्री को रेलवे स्टाफ की मदद से हमीदिया अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल उनकी हालत ठीक बताई जा रही है। यात्री के पहचान पत्रों के माध्यम से उनके परिवार वालों को सूचना दी गई।

पुलिस ट्रेनिंग स्कूल में कस्टम इंस्पेक्टरों ने सीखे नेगोशिएशन एवं प्रबंधन के गुर

सिटी चीफ भोपाल।

राजधानी के फंदा ब्लॉक में स्थित पुलिस ट्रेनिग स्कूल, भौंरी में सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्स एंड कस्टम (सीबीआईसी) के इंस्पेक्टरों के लिए चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत बुधवार को नेगोशिएशन एंड कॉन्फ्लिक्ट मैनेजमेंट विषय पर एक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण सत्र को लाइफ मैनेजमेंट पुस्तक के लेखक व मैनेजमेंट एक्सपर्ट नवीन कृष्ण राय ने संबोधित किया।

समझाई प्रबंधन की अवधारणाएं

इस प्रशिक्षण सत्र का उद्देश्य प्रतिभागियों को प्रबंधन से संबंधित अवधारणाओं और सिद्धांतों से रूबरू कराना था। इस सत्र में प्रतिभागियों को विभिन्न प्रकार के मनोविज्ञान और प्रबंधन के सिद्धांतों व मॉडलों के माध्यम से नेगोशिएशन एवं कॉन्फ्लिक्ट मैनेजमेंट के बारे में बताया गया। लाभ-हानि का मनोविज्ञान अलग प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए राय ने लोगों के निर्णय लेने के बारे में बात करते हुए बताया कि लोग हमेशा तर्कसंगत व्यवहार नहीं करते हैं और वे अक्सर पूर्वाग्रह रखते हैं। प्रॉस्पेक्ट सिद्धांत की मदद से प्रतिभागियों को बताया गया कि लोग लाभ और हानि को अलग-अलग महत्व देते हैं। समान मूल्य के लाभ और हानि होने की स्थिति में, कोई भी व्यक्ति उस लाभ से मिलने वाली खुशी को उसी मूल्य के हानि से होने वाली पीड़ा की तुलना में से कम आंकता है। उसे उस पीड़ा का एहसास यादा होता है।

कम पहचान वाले 50 नए पर्यटन स्थल विकसित कर रहा एमपी टूरिज्म

सिटी चीफ भोपाल।

देशी-विदेशी पर्यटकों को देश के हृदय मध्य प्रदेश में कुछ अनदेखा दिखाने की तैयारी हो रही है। मध्य प्रदेश पर्यटन मंडल ने 50 ऐसे ऐतिहासिक और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर स्थलों को चिह्नित किया है जो पर्यटकों के लिए नया आकर्षण साबित हो सकते हैं। इन स्थलों को अब विकसित किया जा रहा है।

पर्यटन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जो अपारंपरिक पर्यटन स्थल विकसित किए जाने हैं, उनमें से अधिकतर प्रमुख पर्यटन स्थलों के आसपास ही हैं। हालांकि सुविधाओं की कमी और जानकारी नहीं होने के कारण पर्यटक उस ओर नहीं जाते।

जिन नए स्थलों को चिह्नित किया गया है, उनमें खजुराहो के

पास रनेह वाटरफाल, भोजपुर के पास आशापुरी मंदिर समूह, पचमढ़ी के पास तामिया और देवगढ़, गांधी सागर के पास चतुर्भुज नाला प्रमुख हैं।

पर्यटकों को कुछ नया अनुभव देने के लिए प्रदेश के बड़े शहरों के आसपास भी ऐसे स्थलों का चयन किया गया है। भोपाल में खारीगांव, केकड़िया, जगदीशपुर, जबलपुर में मदन महल और नर्मदा के किनारे के स्थलों, ग्वालियर में मितावली-पड़ावली के मंदिर, चौंसठ योगिनी मंदिर और दमोह में सिंग्रामपुर (रानी दुर्गावती व गोंड राजाओं का शासन केंद्र) में पर्यटकों के लिए सुविधाएं बढ़ाई जानी हैं। बता दें, मध्य प्रदेश में हर वर्ष ढाई से तीन करोड़ पर्यटक आते हैं। नया आकर्षण जुड़ जाने से घरेलू पर्यटकों के बढ़ने की उम्मीद की जा रही है।

लांझी का किला- बालाघाट, सिंधिया की छतरियां- शिवपुरी, काला ताजमहल, असीरगढ़ का किला और बुरहानपुर का किला-बुरहानपुर, मितावली, पड़ावली, तेली का मंदिर, सहस्त्रबाहु मंदिर-ग्वालियर, ककनमठ मंदिर- मुरैना, पशुपतिनाथ व धर्मराजेश्वर मंदिर-मंदसौर, पातालकोट और तामिया (प्राकृतिक स्थल)- छिंदवाड़ा, सोनागिरी जैन मंदिर और दतिया का किला- दतिया, मोतीमहल-मंडला, मदन महल- जबलपुर, बहुति झरना, क्योटी जलप्रपात, भीमकुंड- रीवा, जटाशंकर, नजारा व्यू प्लाइंट, निदान कुंड और सद्भावना शिखर- दमोह।

हथेलियों की लकीरें गायब, आधार से मोबाइल नहीं अपडेट हो तो बुजुर्ग कैसे बनें आयुष्मान

सिटी चीफ भोपाल।

शहर में 70 साल से अधिक आयु के बुजुर्गों के लिए कई वार्डों में शिविर लगाए जा रहे हैं, जिसमें बुजुर्गों को आयुष्मान कार्ड बनवाने में परेशानी हो रही है। वजह अधिकांश वरिष्ठ नागरिकों का मोबाइल नंबर आधार से लिंक नहीं होना है, जिसके कारण ओटीपी नहीं आ रहा। अब उन्हें आधार केंद्रों पर जाकर मोबाइल नंबर अपडेट कराना पड़ रहा है। कई वरिष्ठ नागरिकों के फिंगर प्रिंट मशीन स्कैन नहीं कर पा रही है, क्योंकि बढ़ती उम्र के चलते उनके हाथों की लकीरें ही गायब हो गई हैं। कई बुजुर्ग ऐसे भी हैं जो घर से अकेले सेंटर तक नहीं आ सकते हैं।

एक लाख से अधिक बुजुर्ग

अकेले राजधानी में एक लाख चार हजार बुजुर्ग ऐसे हैं, जिनकी आयु 70 साल से अधिक है। यह सभी योजना के हकदार हैं, लेकिन अब तक सिर्फ 2600 को ही जोड़ा जा सका है। ऐसे में इन्हें योजना से जोड़ना बड़ी चुनौती है। स्वास्थ्य विभाग यादा से यादा बुजुर्गों के कार्ड बनाने के लिए वार्ड कार्यालयों में शिविर लगा रहा है। वहीं, ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा भी दी गई है, लेकिन जागरूकता और तकनीक की जानकारी नहीं होने से परेशान हो रहे हैं। इसको लेकर विभाग अब नए एक्शन प्लान तैयार करने में जुट गया है।

रजिस्ट्रेशन में परेशानी

जिन बुजुर्गों को आयुष्मान कार्ड योजना में रजिस्ट्रेशन करने की प्रक्रिया समझ नहीं आ रही है, वे एमपी ऑनलाइन सेंटर जा रहे हैं। चांदबड़ क्षेत्र में 73 वर्षीय दंपती ने बताया कि मोबाइल पर वे रजिस्ट्रेशन नहीं कर पा रहे थे, इसलिए एमपी ऑनलाइन सेंटर पर पहुंचे। यहां हमसे एक कार्ड का 100 रुपये शुल्क लिया गया, जबकि यह प्रक्रिया निशुल्क है। पिपलानी निवासी 72 वर्षीय कांताबाई घुटने के ऑपरेशन के लिए एक निजी अस्पताल गई। यहां उनका ऑपरेशन तो कर दिया गया, परंतु बाद में बताया कि उनका फिंगर प्रिंट स्कैन न होने से क्लेम रिजेक्ट हो गया है। वहीं, 76 साल के रामनारायण शर्मा का भी घुटने के ऑपरेशन के बाद फिंगर प्रिंट मिलान न होने से इनका आयुष्मान क्लेम रिजेक्ट हो गया। आयुष्मान न होने से ऑपरेशन के लिए इम्प्लांट और दवा बाजार से लानी पड़ी।

मोबाइल पर नहीं आ रहा ओटीपी

वार्ड क्रमांक 58 के कार्यालय में आयुष्मान के लिए बुजुर्ग कतार में लगे थे। 73 वर्षीय सोनेलाल दुबे के आधार से कोई और नंबर जुड़ा हुआ है। ऐसे में कर्मचारी ने उन्हें पहले नंबर अपडेट कराने का सुझाव देकर लौटा दिया। वार्ड 59 में 71 वर्षीय प्रेमलता सिंह को भी निराशा हाथ लगी। उनके मोबाइल पर बार-बार प्रयास के बाद भी ओटीपी नहीं आया।

जबकि नंबर भी सही था। ऐसे में कर्मचारी ने उन्हें मोबाइल पर एसएमएस वाला पैक डलवाने का सुझाव दिया, जिसके बाद बुजुर्ग महिला लौट गईं।

साल्वर की मदद से पास की थी आरक्षक भर्ती परीक्षा

सिटी चीफ भोपाल।

राजधानी के विशेष न्यायाधीश (व्यापमं प्रकरण) नीतिराज सिंह सिसोदिया के न्यायालय ने बुधवार को व्यापमं घोटाले के एक मामले में आरोपित धर्मेंद्र शर्मा को दोषसिद्ध पाकर सात-सात वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 10-10 हजार रुपये के अर्थदंड भी दिया है।

विशेष लोक अभियोजक सुनील श्रीवास्तव ने बताया कि व्यापमं द्वारा आयोजित पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा वर्ष 2013 में मुरैना के धर्मेंद्र शर्मा पिता महावीर शर्मा का चयन हुआ था। शिकायत मिली थी कि उसने अपनी जगह साल्वर को बैठाकर परीक्षा उत्तीर्ण की थी। एसटीएफ की जांच में शिकायत सही पाए जाने पर आरोपित के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। आरोपित आरक्षक चयन परीक्षा (प्रथम) में भी फर्जी तरीके से शामिल हुआ था, पर उसका चयन नहीं हुआ था। इसके बाद आरक्षक चयन परीक्षा वर्ष 2013 (द्वितीय) में आरोपित दोबारा फर्जी तरीके से शामिल हुआ और आरक्षक के पद पर चयनित हुआ। वर्तमान में इंदौर में पदस्थ था। एसटीएफ ने उसे वहीं से गिरफ्तार किया है। विवेचना के बाद साक्षियों के बयान और तथ्यों के आधार पर आरोपित का दोनों परीक्षाओं में दोषी होना पाया गया।

कारोबारी मुंगौड़े खाता रहा, बदमाश कार से चुरा ले गए 10 लाख रुपये

सागर सिविल लाइन थाना क्षेत्र के चितौरा के पास सागर से लौट रहे व्यापारी की कार से 10 लाख रुपये की चोरी हो गई। शिकायत के बाद देर रात तक पुलिस जांच में जुटी रही। जानकारी के अनुसार गौरझामर निवासी विद्यासागर फर्टिलाजर और आस्था पेट्रोल पंप के संचालक अजय कुमार जैन बुधवार को सागर आए थे।

उन्होंने सागर के एचडीएफसी बैंक से 10 लाख रुपये नकद निकाले और अपनी कार से शाम करीब साढ़े चार बजे घर को लौटे। चितौरा में उन्होंने एक मुंगौड़ा सेंटर से करीब 15 फीट की दूरी पर उन्होंने कार रोकी। वे अपने चालक के साथ मुंगौड़े खाने चले गए। लौटे तो कार में रखा रुपयों से भरा बैग गायब था।

उसमें 10 लाख रुपये रखे हुए थे। अज्ञात बदमाश ड्राइवर साइड के पीछे का कांच फोड़कर चुरा ले गया। उन्होंने सागर के सिविल लाइन थाने पहुंच कर इसकी शिकायत की। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। चालक से भी पूछताछ की जा रही है।

सम्पादकीय

बुलडोजर न्याय पर हथौड़ा,सुप्रीम कोर्ट का सख्त फैसला

देश के अलग-अलग हिस्सों में शुरू हुए कथित 'बुलडोजर न्याय' के नए चलन में निहित खतरों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ठीक ही इस पर प्रभावी रोक लगा दी। इस संबंध में बुधवार को आया सर्वोच्च अदालत का फैसला निश्चित रूप से सख्त फैसलों की श्रेणी में रखा जाएगा, लेकिन यह सख्ती जरूरी थी। देश के अलग-अलग हिस्सों में शुरू हुए कथित 'बुलडोजर न्याय' के नए चलन में निहित खतरों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ठीक ही इस पर प्रभावी रोक लगा दी। इस संबंध में बुधवार को आया सर्वोच्च अदालत का फैसला निश्चित रूप से सख्त फैसलों की श्रेणी में रखा जाएगा, लेकिन यह सख्ती जरूरी थी। इस केस पर विचार करते हुए कोर्ट को कई सवालों से जूझना पड़ा। मसलन- कानून का पहलू तो इससे जुड़ा था ही, संविधान द्वारा नागरिकों को दिए गए उन अधिकारों का भी सवाल था जो उसे राज्य की मनमानी कार्रवाइयों से सुरक्षा देते हैं। न्याय व्यवस्था की निष्पक्षता और लोकसेवकों के प्रति आम जनों के विश्वास का प्रश्न भी इससे जुड़ा था। सुप्रीम कोर्ट ने इन तमाम पहलुओं का ध्यान रखते हुए न केवल बुलडोजर के जरिए न्याय करने की इस प्रवृत्ति को खारिज किया बल्कि उन आधारों को भी स्पष्ट किया, जिनसे इस बात की पहचान होती है कि प्रशासन ने कब अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन किया। फैसले में कहा गया है कि जब किसी खास निर्माण को अचानक निशाना बनाया जाता है और उस तरह के अन्य निर्माणों को छुआ भी नहीं जाता, तब ऐसा लगता है कि कार्रवाई का असल मकसद किसी आरोपी को बिना मुकदमा चलाए सजा देना है। खास बात यह कि शीर्ष अदालत इस तरह की कार्रवाई को गलत बताकर ही नहीं रुकी, उसने यहां तक कहा कि अगर किसी व्यक्ति का घर इस तरह से तोड़ा जाता है तो उसे फिर से बनाने का खर्च संबंधित ऑफिसरों के वेतन से काटा जाएगा। दूसरी बात यह कि अदालत ने इस फैसले की सीमाएं स्पष्ट करते हुए यह भी कहा कि सार्वजनिक स्थलों जैसे सड़क, फुटपाथ, रेलवे लाइन आदि पर बने अवैध निर्माण इन निर्देशों के दायरे में नहीं आएंगे। कुल मिलाकर, सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती और संतुलन का जो बेहतरीन तालमेल इस फैसले में दिखाया है, वह देश में संवैधानिक मूल्यों को मजबूती देने वाली एक मिसाल के रूप में याद रखा जाएगा।

बंगाल में चुनावी हिंसा और सियासत

एनसीआरबी की उसी रिपोर्ट में कहा गया था कि साल 1999 से 2016 के बीच पश्चिम बंगाल में हर साल औसतन 20 राजनीतिक हत्याएं हुई हैं। इनमें सबसे ज्यादा 50 हत्याएं 2009 में हुईं। जबकि, उस साल अगस्त में सीपीएम ने एक पर्चा जारी कर दावा किया था कि 2 मार्च से 21 जुलाई के बीच तृणमूल कांग्रेस ने 62 काडरों की हत्या कर दी।

एनसीआरबी की उसी रिपोर्ट में कहा गया था कि साल 1999 से 2016 के बीच पश्चिम बंगाल में हर साल औसतन 20 राजनीतिक हत्याएं हुई हैं। इनमें सबसे ज्यादा 50 हत्याएं 2009 में हुईं। जबकि, उस साल अगस्त में सीपीएम ने एक पर्चा जारी कर दावा किया था कि 2 मार्च से 21 जुलाई के बीच तृणमूल कांग्रेस ने 62 काडरों की हत्या कर दी।

इसी बरस केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार को एडवाइजरी भेजी। उसमें कहा गया कि पश्चिम बंगाल में हुई राजनीतिक हिंसा में 96 लोग मारे गए साथ ही लगातार होने वाली हिंसा गंभीर चिंता का विषय है। इसके बाद एनसीआरबी की ओर से सफाई आई। ये कहा गया कि उसे पश्चिम बंगाल समेत कुछ राज्यों से आंकड़ों पर स्पष्टीकरण नहीं मिला है। इसलिए उसके आंकड़ों को फ़ाइनल नहीं माना जाना चाहिए।

एनसीआरबी की उसी रिपोर्ट में कहा गया था कि साल 1999 से 2016 के बीच पश्चिम बंगाल में हर साल औसतन 20 राजनीतिक हत्याएं हुई हैं। इनमें सबसे ज्यादा 50 हत्याएं 2009 में हुईं। जबकि, उस साल अगस्त में सीपीएम ने एक पर्चा जारी कर दावा किया था कि 2 मार्च से 21 जुलाई के बीच तृणमूल कांग्रेस ने 62 काडरों की हत्या कर दी। हिंसा का जहां तक सवाल है, खासकर 2018 पंचायत चुनाव से 2021 के विधानसभा चुनाव तक राज्य में काफी हिंसा देखने को मिलीं। ख़ासकर विधानसभा चुनाव के बाद होने वाली हिंसा और कथित राजनीतिक हत्याओं की घटनाओं ने तो काफी सुर्खियां बटोरी थी। फिलहाल पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की टीएमसी का राज है और विपक्ष की भूमिका में बीजेपी है।

बंगाल की राजनीति में जब 1980-1990 में बीजेपी और तृणमूल का अस्तित्व नहीं था तब भी कांग्रेस और वाममोर्चा के बीच हिंसा चरम पर थी। 1989 में तत्कालीन मुख्यमंत्री ज्योति बसु ने विधानसभा में आंकड़ा पेश किया था जिसमें कहा गया कि 1988-89 के दौरान राजनीतिक हिंसा में 86 राजनीतिक कार्यकर्ताओं की मौत हुई। इनमें 34 सीपीएम के थे और 19 कांग्रेस के। बंगाल की बदहाल स्थिति देख कांग्रेस ने राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा और राज्य में राष्ट्रपति शासन की मांग की। ज्ञापन में दावा था कि 1989 के पहले 50 दिनों में कांग्रेस के 26 कार्यकर्ताओं की हत्या की गई है।

पश्चिम बंगाल में 2018 के पंचायत चुनाव के दौरान 23 राजनीतिक हत्याएं हुई थी। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़े प्रमाण के तौर पर पेश किए जाते हैं। एनसीआरबी ने अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया था कि साल 2010 से 2019 के बीच राज्य में 161 राजनीतिक हत्याएं हुई और देश में बंगाल इस मामले में पहले स्थान पर था।

दरअसल, पश्चिम बंगाल देश विभाजन के बाद से ही हिंसा से जूझता रहा। 1979 में सुंदरबन इलाके में बांग्लादेशी हिंदू शरणार्थियों के नरसंहार को आज भी राज्य के इतिहास के सबसे क्रूर अध्याय के तौर पर याद किया जाता है। साठ के दशक में उत्तर बंगाल के नक्सलबाड़ी से शुरू हुए नक्सल आंदोलन ने राजनीतिक हिंसा को एक नया आयाम दिया था। किसानों के हो रहे शोषण के विरोध में नक्सलबाड़ी से उठने वाली आवाजों ने उस दौरान पूरी दुनिया में सुर्खियां बटोरी।

आंकड़े और किस्से बताते हैं कि 1971 में सिद्धार्थ शंकर रे की कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद राजनीतिक हत्याओं की रफ्तार तेज हो गई थी। 1977 विधानसभा चुनावों में यही उसके पतन का कारण भी बना। सत्तर के दशक में भी वोटरों को आतंकित कर अपने पाले में करने और सीपीएम की पकड़ मजबूत करने के लिए बंगाल में हिंसा होती रही है।

1998 में ममता बनर्जी की टीएमसी का गठन हुआ और यहां से वर्चस्व की एक और लड़ाई आरंभ हुई जिसने हिंसा को एक नया रूप दे दिया। पंचायत चुनावों के दौरान कई इलाकों में भारी हिंसा शुरू हुई। राज्य के विभिन्न इलाकों में बालू, पत्थर और कोयले के अवैध खनन और कारोबार पर वर्चस्व भी पंचायत चुनाव में होने वाली हिंसा की एक प्रमुख वजह है। यह तमाम कारोबार पंचायतों के ज़रिए ही नियंत्रित होते हैं।

पश्चिम बंगाल में हिंसा और राजनीति एक दूसरे के पूरक हैं। जब भी पश्चिम बंगाल में राजनीति की बात होती है तो पहले वहां की सियासी हिंसा की चर्चा होती है। वहां, हिंसा का नाता चुनाव से नहीं राजनीति से हो गया है। पश्चिम बंगाल में दशकों से राजनीतिक हिंसा का इतिहास है। राजनीतिक हिंसा की शुरुआत नक्सल आंदोलन के साथ हुई।

1960 से 1970 के बीच शुरू हुई नक्सली हिंसा धीरे-धीरे राजनीतिक हिंसा में बदल गई। 1977 में राज्य में लेफ्ट फ्रंट की सरकार आई जो 2011 तक यानी 34 साल तक रही। एक आंकड़े के मुताबिक इन 34 वर्षों के दौरान राज्य में राजनीतिक हिंसा में 30 हजार लोग मारे गए। ममता बनर्जी के नेतृत्व में हुए नंदीग्राम और सिंगुर आंदोलन को पश्चिम बंगाल की सरकार ने जिस हिंसात्मक तरीके से दबाया वो ताबूत में आखिरी कील साबित हुई और 34 साल की सरकार का पतन हो गया। बहरहाल, 2011 में लेफ्ट सरकार के पतन के बाद लोगों को उम्मीद जगी कि अब सरकार बदलने के बाद पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा खत्म हो जाएगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। पंचायत चुनाव हो या विधानसभा-लोकसभा चुनाव, पश्चिम बंगाल में हिंसा कम नहीं हुई। अब तो बिना किसी चुनाव के भी राजनीतिक कार्यकर्ताओं की हत्या और उन पर हमला आम बात हो गई है। जबकि 1977 में कांग्रेस और 2011 में लेफ्ट फ्रंट सरकार की विदाई के पीछे कई वजहों में मुख्य वजह राजनीतिक हिंसा भी थी। ऐसे में आखिर कैसे बदलेगी यह तस्वीर!

हिंदी-अंग्रेजी का झगड़ा अब बेमानी

जिस तरह देश की विविध अनुसूचित भाषाओं के लोग यह सोचते हैं कि हिंदी की वजह से उनकी भाषा का प्रभाव कम हो रहा है, उसी तरह हिंदी सेवियों की एक बड़ी तादाद ऐसा मानती है कि अंग्रेजी के कारण हिंदी का प्रसार बाधित हो रहा है। लेकिन खुद अंग्रेजी का क्या हाल है? जब हम एक पूर्ण और सशक्त भाषा की बात सोचते हैं, तो हमारे जेहन में उसके कुछ निश्चित प्रतिमान उभरते हैं। जैसे, उसकी एक विकसित लिपि होगी, ध्वनि संसार होगा, शब्दों का विशाल भंडार होगा। शब्दों की वर्तनी, उनका उच्चारण और अर्थ सुनिश्चित होगा। व्याकरण होगा। उसका अपना साहित्य होगा, जिसे पढ़ने वाले लोग होंगे। और उसे सत्ता (आर्थिक-राजनीतिक) का समर्थन प्राप्त होगा। क्या इन पारंपरिक मानकों पर आज की कोई भी भाषा दावे से खरी उतरती है?

अंग्रेजी का प्रयोग करने वाली नई पीढ़ी बहुत तेजी से इमोजी की तरफ बढ़ रही है। कोई बात अच्छी लगे तो एक पूरा वाक्य लिखने की जरूरत नहीं है। किसी बात की आलोचना करनी हो और इस तरह से करनी हो कि दूसरा पक्ष आहत न हो, तो उसके लिए कोई अच्छा शब्द ढूंढने की जरूरत नहीं है। यहां तक कि इमोजी से पूरे प्रेम पत्र लिखे जा सकते हैं। हम भाषा के संदर्भ में आर्थिक प्रभुत्व की चर्चा करते हैं। अब बहुराष्ट्रीय कंपनियों के कारोबारों और उत्पादों के साथ भी इमोजी इस्तेमाल होने लगे हैं। ऐपल, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, सैमसंग, ट्विटर, फेसबुक, एलजी, एचटीसी, बर्गर किंग और पेप्सीको जैसी तमाम कंपनियां इमोजी इस्तेमाल कर रही हैं, और उनके साथ उनके ग्राहक भी।

उनके बीच एक नई भाषा विकसित हो रही है। यानी रोमन लिपि और शब्दों की सही वर्तनी का महत्व खत्म! जब भी कोई नई भाषा विकसित होती है, वह पारंपरिक भाषाओं का दायरा संकुचित करती है। समाज में ऐसे कई तरह के छोटे-मोटे संकेत विकसित होते हैं जो समय के साथ प्रचलन से बाहर हो जाते हैं- यह सोच कर हम इमोजी की भाषा को नजरअंदाज नहीं कर सकते।

यह लोगों के बीच का भाषिक संवाद बदलने का एक नमूना है। इसके और भी पक्ष हैं। जब हम ऑक्सफोर्ड और वेब्स्टर के शब्दकोशों में सही वर्तनी और हिज्जे ढूंढ रहे होते हैं, तब इंटरनेट पर भेजे जा रहे संदेशों में उन शब्दों के संक्षिप्त रूपों का धड़ल्ले से इस्तेमाल हो रहा होता है। वहां सिर्फ 'आय लव यू' के लिए इलू (आयएलयू) और 'फियर ऑफ मिसिंग यू के लिए फोमू' (एफओएमयू) ही नहीं बन रहा है, एक पूरी शब्दावली विकसित हो रही है, जिसमें बीटुबी (बिजनेस टु बिजनेस), केपीआई (की-परफॉर्मेंस इंडीकेटर), सीपीएम (कॉस्ट पर थाउजैंड) और यूजीसी (यूजर जेनरेटेड कॉन्टेंट) जैसे प्रयोग भी शामिल हैं। ये नए संक्षिप्त शब्द पहले के अनेक शब्दों से बने पूरे फ्रेज को विस्थापित कर देते हैं।

आज सिर्फ दोस्तों की अनौपचारिक मंडली में ही नहीं, कॉर्पोरेट की औपचारिक चिट्ठियों, व्यापारिक पत्राचार और तकनीक की दुनिया में भी इस भाषा में लिखित संवाद हो रहे हैं। इंटरनेट की दुनिया में इन संक्षिप्त रूपों को मान्यता प्राप्त है। इनमें से यदि कोई नवनिर्मित शब्द समझ में न आए तो उसे गूगल कर आसानी से देखा जा सकता है। आज से चार-पांच दशक बाद वाली पीढ़ी के लिए शायद यह जान पाना भी मुश्किल हो कि फोमू किन-किन शब्दों के संक्षेपीकरण से बना है। उसके लिए फोमू ही वह शब्द होगा, जिसके माध्यम से वह अपनी बात कहेगी।

फेसबुक पर हर मिनट 50 लाख से ज्यादा लोग अपनी टिप्पणियां पोस्ट करते हैं और 30 लाख से ज्यादा लोग अपना स्टेटस अपडेट करते हैं। इंस्टाग्राम पर प्रति मिनट करोड़ों की तादाद में पोस्ट किए जाते हैं और मोबाइल से पचास लाख से ज्यादा ट्वीट भेजे जाते हैं। इसी एक मिनट में इंटरनेट की दुनिया में डेढ़ लाख से ज्यादा टेक्स्ट का आदान-प्रदान होता है। हिंग्लिश और चिंग्लिश जैसे नए भाषा रूपों ने अंग्रेजी के व्याकरण की अनिवार्यता को काफी संकुचित कर दिया है। यहां तक कि स्वीडन और फिनलैंड जैसे बाल्टिक देशों के लोग भी अपनी भाषाओं के दायरे से बाहर निकल कर जब कभी टूटी-फूटी अंग्रेजी में संवाद करने की कोशिश करते हैं, तो ज्यादातर वह व्याकरण के नियमों से परे ही होती है। हां, लिपि जरूर रोमन बनी हुई है। नई पीढ़ी तक अंग्रेजी की अपनी वर्तनी बचाने के लिए शिक्षक, संस्थाएं और सरकारें जी तोड़ कोशिशें कर रही हैं। इंग्लैंड, अमेरिका, न्यूजीलैंड, कनाडा, बहामा, जमैका, गुयाना, दक्षिणी अफ्रीका, यहां तक कि एशियाई देशों में भी युवा छात्रों के लिए स्पेलिंग और हिज्जे की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए ट्रॉफियां दी जा रही हैं। लेकिन शब्दकोश, व्याकरण की पढ़ाई और भाषा संरक्षण के तमाम उपायों के बावजूद अंग्रेजी अपने को संभाल नहीं पा रही है। टेक्नॉलजी और वैश्वीकरण ने आज की सभी भाषाओं की जड़ें हिला दी हैं। भाषाओं के पारंपरिक ढांचे दरकते हुए नजर आ रहे हैं। ब्रिटेन में युवा छात्रों द्वारा अंग्रेजी शब्दों की सही वर्तनी की उपेक्षा और हिंदुस्तान में निरक्षरों द्वारा अपने मोबाइल फोन पर आए कॉलर नंबर को उनकी आकृति या विशिष्ट रिंग टोन से पहचानने की प्रवृत्ति को अभी तक हम दो अलग-अलग स्थानीय सामुदायिक व्यवहारों की तरह देख रहे हैं। शायद हम इन दोनों के बीच के संबंध को पहचान नहीं पा रहे। ये वैश्विक स्तर पर बहुत तेजी से अपना साम्राज्य बढ़ा रही अंग्रेजी भाषा के मानक रूप के क्षरण के कुछ उदाहरण हैं। लेकिन हमारे भाषाई व्यवहार में ऐसे और भी कई संकेत देखने को मिल रहे हैं। भाषाएं मरती नहीं, वे अपना रूप बदलती हैं, कुछ अवशेषों के साथ। अंग्रेजी भी अपनी लिपि और कुछ ध्वनियों के साथ दूसरी भाषाओं की तुलना में शायद कुछ ज्यादा लंबे समय तक बनी रहे, लेकिन वह अंग्रेजी यह अंग्रेजी नहीं होगी।

अंग्रेजी से फैलेगा दुनिया में भारत का तत्वज्ञान

बहुत छोटा था जब पुस्तकें मेरी दोस्त बन गई थीं। नाना, दादा, पिताजी अक्सर मेरे लिए छोटी-छोटी कहानियों की किताबें लेकर आते। मैं उन्हें बहुत चाव से पढ़ता। किसी में जंगल के जानवरों की, तो किसी में लोक-जीवन से जुड़ी सुंदर कथाएं होतीं। सभी में कुछ न कुछ संदेश होता। किसी में दोस्ती की ताकत का, किसी में सच की जीत का, किसी में घमंड, बेईमानी, बुराई और दुष्टता की हार का, तो किसी में प्रेम, आस्था, समर्पण, परोपकार, त्याग, तप, साधना और विवेक जैसे खुशनुमा स्वरों का संगीत लहराता। उनमें ऐसे सुंदर नैतिक गुण छुपे होते, जिन्हें हर कोई जीवन में गूंथ ले तो चारों ओर सुख ही सुख के सूरज खिल उठते।

थोड़ा बड़ा हुआ, तो इन किताबों के अगल-बगल विश्व साहित्य की चुनिंदा कृतियों ने भी अपना स्थान बना लिया। रोज देर रात तक पढ़ता और उनमें खिंचीं दुनिया की रंग-बिरंगी तस्वीरों से रोमांचित होता। यह नशा ही कुछ अलग सा था। सागर में कोई जितना गहरा उतरता है, सागर का सौंदर्य उतना ही मनोरम, उतना ही अनुपम होता जाता है। बहुत जल्द मैं पिता के पुस्तक-संग्रह से पुस्तकें लेकर उनके भीतर डुबकी भरने लगा।

पिता इंजिनियर थे, पर उन्हें अध्यात्म, जीवन दर्शन, नैतिकता, धर्म और तत्वज्ञान जैसे गूढ़ विषयों में गहरी दिलचस्पी थी। वेद, पुराण, उपनिषद्, श्रीमदभगवदगीता, विवेकानंद और अरविंद साहित्य, बौद्ध धर्म, जैन धर्म से जुड़ी अनेक रचनाएं उनकी लाइब्रेरी में थीं। मैं उन्हें उठाता और अपने कमरे में ले आता। रात के खाने के बाद उनमें देर तक डूबा रहता। कुछ समझ में आता, कुछ नहीं। जो समझ न आता, उसे फिर से पढ़ता। जो समझ में आता, उसे भी दोबारा पढ़ता। हर बार कुछ नया मिलता।

सच कहूं तो ये अजर-अमर कृतियां ज्ञान का सूरज हैं। जीवन यात्रा में सत-असत की पहचान, कर्तव्य और अधिकार का बोध, ज्ञान-विज्ञान का आलोक, आत्म साधना और जीवन को सुंदर बनाने का आध्यात्मिक प्रकाश उनमें ये सभी गुण अंतर्निहित हैं। बृहदारण्यक उपनिषद् हमें 'असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय' के ज्ञान-मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है। 'सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः, सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चित् दुःखभाग भवेत' की सहस्त्रों साल पुरानी सर्वमंगलकारी सोच 1978 की विश्व समुदाय की 'हेल्थ फॉर ऑल' आल्मा आटा घोषणा से कहीं अधिक सुंदर और गहरी है।

कार्यों और कारणों के संबंध को बताने वाला सच्चा ज्ञान, पूर्वजों और मनीषियों के मन की समाधि की सच्ची पूंजी, अज्ञेय से ज्ञेय की यात्रा जैसे अनन्य आत्म-तत्व इन आादि ग्रंथों में सुरक्षित हैं। हम इन तत्वों को ग्रहण करें, आत्मसात करें और उन पर आचरण करें, उनकी सार्थकता इसी में निहित है। उनका सच्चा लक्ष्य प्राण अमृत तत्व का साक्षात्कार है, न कि बौद्धिक कुतूहल जागृत करना। यह ज्ञान जन-जन के लिए साफ-सुथरी, सरल भाषा और सरल अभिव्यक्ति में उपलब्ध हो, तभी हर कोई उससे लाभ पा सकता है।

मेंडारिन (चीनी) के बाद दुनिया में सबसे अधिक बोली, समझी, पढ़ी जाने वाली अंग्रेजी में भी यह आध्यात्मिक साहित्य उपलब्ध हो तो कितना अच्छा होगा। ऐसा नहीं कि यह साहित्य पहले अंग्रेजी में अनूदित नहीं हुआ, लेकिन जो हुआ है वह प्राय: आम बोलचाल की भाषा में नहीं, बल्कि अधिकांशत: विद्वतापूर्ण कृतियों के रूप में हुआ है। आवश्यकता उसे सरल रोचक ढंग से जीती-जागती तस्वीरों के साथ प्रस्तुत करने की है, जिससे अधिक से अधिक लोग उसका रस ले सकें, उसे आत्मसात् कर सकें और यह दुनिया सुंदर बन सके। जीवन का संपूर्ण सौंदर्य तभी खिलता है, जब हम उच्च कोटि का जीवन जीने की कला सीख लेते हैं।

जिलाधिकारी ने उच्च प्राथमिक विद्यालय ताँशीपुर का किया औचक निरीक्षण

जिलाधिकारी ने निभाई शिक्षक की भूमिका, बच्चों से संवाद कर किया प्रोत्साहित, शिक्षकों को गुणवत्तापरक शिक्षा देने के दिए निर्देश

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल ने उच्च प्राथमिक विद्यालय ताँशीपुर का औचक निरीक्षण किया। उच्च प्राथमिक विद्यालय के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी मनीष बंसल ने शिक्षा का हाल जानते हुऐ बच्चों से संवाद किया। बच्चों से संवाद करते हुए मेहनत और लगन से पढाई करने के लिए प्रोत्साहित भी किया। इस अवसर पर उन्होंने मिड डे मील की गुणवत्ता को परखा जो ठीक पाई गई। विद्यालय के स्टाफ का उपस्थिति रजिस्टर चेक किया जिसमें 03 शिक्षकों में से 01 छुट्टी पर थे। जिलाधिकारी ने शिक्षक की भूमिका निभाते हुए बच्चों से इतिहास सहित अन्य विषयों के प्रश्न पूछे एवं उनके उत्सुकता भरे प्रश्नों का उत्तर भी दिया। डीएम मनीष बंसल ने विद्यालय परिसर में साफ-सफाई एवं स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षण जैसे महत्वपूर्ण कार्य में अपने दायित्वों का भली प्रकार से निर्वहन करें। सभी शिक्षकों को निर्देशित किया कि बच्चों को पढाने के साथ एक्टिविटी भी कराई जाए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी देवबन्द दीपक कुमार, तहसीलदार देवबन्द पुष्पांकर, नायब तहसीलदार मोनिका चौहान सहित सम्बन्धित अधिकारीगण एवं विद्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा।

शासकीय माध्यमिक शाला सतौआ के बच्चे बालरंग प्रतियोगिता में संभाग स्तर सागर में होंगे सम्मिलित

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, शासकीय माध्यमिक शाला सतौआ के 16 बच्चों का जिला स्तरीय बाल रंग प्रतियोगिता में हुआ चयन। शास. माध्य.शाला, सतौआ में पदस्थ शिक्षक श्री मोहन सिंह (शाला प्रभारी) और मार्गदर्शी शिक्षक रूप में बच्चों को हर विधा में पारंगत करने के लिए सक्षम रहते हैं। उनके द्वारा कार्यों से आए दिन बच्चों के बीच विद्यालय में कुछ न कुछ नया सुनने को और समाचारों में पढ़ने को मिलता रहता है। विद्यालय में अतिथि शिक्षक अखलेश प्रसाद पांडे भी अपने प्रभारी और बच्चों को विशेष सहयोग प्रदान करते रहते हैं। बुधवार को जिला स्तरीय बालरंग प्रतियोगिता में सतौआ से 19 बच्चे सम्मिलित हुए जिनमे से 16 बच्चों का चयन संभागीय स्तर बालरंग प्रतियोगिता के लिए गया अब यह बच्चे 18/11/2024 को होने वाली संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में अपने हुनर दिखाएंगे। जिला स्तरीय कार्यक्रम के मुख्य आयोजक और राष्ट्रपति पुरुष्कृत श्री जे. पी.पटेल और मुख्य अतिथियों और निर्णायकों ने विद्यालय के बच्चों और मार्गदर्शी शिक्षक की मेहनत और लगन की प्रशंसा की और आगे तैयारी के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। विद्यालय की ओर से संस्कृत लघु नाटिका में सूत्रधारक कार्तिक पाल और सभी पात्रों में निहारिका चौबे, प्राची पाल,आर्यन कुर्मी, प्रीति पाल,केशवराम सौर,कार्तिक राय,लक्ष्मी पाठक,गायत्री अहिरवार, प्रहलाद प्रजापति और श्रीराम पाल ने संस्कृत में बहुत ही सुंदर प्रस्तुति दी। इसके अलावा प्रश्न मंच में सिद्धि सेन और मुस्कान अहिरवार ने प्रथम स्थान , वाद-विवाद में नंदनी चौबे और दीक्षा तिवारी प्रथम स्थान , सुलेख (कैलीग्राफी) में संजना अहिरवार ने प्रथम स्थान कर इन सभी बच्चों ने विद्यालय के साथ-साथ ग्राम का नाम रोशन किया ।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई जिला पोषण समिति की बैठक

डीपीओ आंगनवाड़ी केंद्रों के निर्धारित निरीक्षण की रिपोर्ट उपलब्ध कराएं : मनीष बंसल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में पोषण अभियान के अन्तर्गत गठित जिला पोषण समिति एवं जिला कन्वर्जन समिति की बैठक आहूत की गयी। बैठक में जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा पोषण अभियान के निर्धारित बिंदुओं पर समीक्षा की गई। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी आंगनबाडी कार्यकत्री घर-घर जाकर शत-प्रतिशत होम विजिट सुनिश्चित करें। बलियाखेड़ी, मुजफ्फराबाद, सढ़ौली कदीम और गंगोह ब्लॉक में मैम बच्चों की संख्या अधिक होने पर नाराजगी जताते हुए संबंधित सीडीपीओ को निर्देश दिए कि आंगनवाड़ी केंद्रों का विजिट कर कारणों को चिन्हित करके दूर करते हुए सुधार लाया जाए। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि जनपद में कायाकल्प के तहत जिन आंगनवाड़ी केंद्रों पर कार्य चल रहा है उसे मानक के अनुरूप जो इंडिकेटर्स तय किये गए हैं, उनके अनुरूप ही 30 नवंबर तक केंद्रों का कायाकल्प किया जाए। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों का कायाकल्प बच्चों के विकास में अहम भूमिका निभाता है। इसके लिए सभी सम्बन्धित अधिकारी अपनी जिम्मेदरियों का बखूबी निर्वहन करें। पोषण ट्रैकर पर चिन्हित सैम तथा अति कुपोषित बच्चों को वीएचएसएनडी पर लाकर उनकी स्वास्थ्य जांच करें तथा आवश्यकता पड़ने पर एनआरसी संदर्भित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ब्लॉकवार लक्ष्य निर्धारित करते हुए बच्चों को एनआरसी संदर्भित किया जाए। निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्र भवन के संबंध में सीडीपीओ को निर्देशित किया कि निरीक्षण कर शीघ्रता से गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित कराएं। केंद्रों की दीवारों पर बच्चों को सिखाने की प्रक्रिया सुविधाजनक बनाने वाली पेंटिंग बनवाने के भी निर्देश दिए। डीएम मनीष बंसल ने निर्देशित किया कि प्रति माह केन्द्रो के निर्धारित निरीक्षण करते हुए फोटोग्राफ सहित रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। सैम और मैम बच्चों के चिन्हांकन के बाद उनके स्वास्थ्य में सुधार के लिए वीएचएनडी भेजे जाने के कार्य में तेजी लाई जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, परियोजना निदेशक प्रणय कृष्ण, जिला कार्यक्रम अधिकारी नन्द लाल सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी उपस्थित रहे।

25 नवंबर से छह दिसंबर तक चलने वाले मिजिल्स रुबेला (खसरा) जांच टीकाकरण अभियान को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने तैयारियां शुरू की

एसडीएम ने अभियान की सफलता को लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए

गौरव सिंघल । सिटी चीफ देवबंद (सहारनपुर)। 25 नवंबर से छह दिसंबर तक चलने वाले मिजिल्स रुबेला (खसरा) जांच टीकाकरण अभियान को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी है। एसडीएम देवबंद दीपक कुमार ने अभियान की सफलता को लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान तहसील स्तरीय टास्क फोर्स का भी गठन किया गया।उपजिलाधिकारी कार्यालय में हुई बैठक में एसडीएम दीपक कुमार ने बताया कि अभियान की अवधि में विशेष प्रयास कर मीजिल्स रुबेला की एक व दो डोज से छूटे पांच वर्ष तक के बच्चों को प्रतिरक्षित किया जाएगा। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से अभियान की तैयारी के बारे में जाना। सीएचसी अधीक्षक डा. अजय त्यागी ने एसडीएम को बताया कि टीकाकरण से इंकार करने वाले परिवारों की संख्या शहरी क्षेत्र में 27 और ग्रामीण क्षेत्र में 22 है। शहरी क्षेत्र में होने वाले टीकाकरण में सहयोग के लिए नगर पालिका से खाद्य एवं सफाई निरीक्षक पोपिन कुमार तथा ग्रीमाण क्षेत्र से एडीओ (पंचायत) अनिल कुमार व आपूर्ति निरीक्षक रूपल रानी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। एसडीएम दीपक कुमार ने निर्देशित किया कि अभियान की सफलता के लिए सभी आपसी तालमेल के साथ काम करें। इस मौके पर सीएचसी से देवेंद्र कुमार, मोतीलाल, नागल सीएचसी से मंसूर अली, शेषनाथ पांडेय, सीडीपीओ कमलेश कुमारी व यूनिसेफ से बीएमसी ममता आदि मौजूद रहे।

04 वर्ष पुराने हत्या के मामले का फरार आरोपी की बिजुरी पुलिस द्वारा गिरफ्तारी

सुशिल सोनी । सिटी चीफ अनूपपुर, श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री मोतीउर्र रहमान पुलिस अधीक्षक अनूपपुर द्वारा पुराने अनसुलझे हत्या के प्रकरणों के खुलासे हेतु निर्देशित किया गया था तथा पता तलाश हेतु सार्थक निर्देश दिये गये हैं जिसके अनुपालन मे बिजुरी पुलिस द्वारा आज दिनांक 13/11/24 को हत्या के मामले मे 04 वर्ष से फरार आरोपी को गिरफ्तार किया गया है ।

प्रकरण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 29-30/11/2021 की दरम्यानी रात सरस्वती स्कूल के सामने मीट मार्केट बिजुरी के पास एक अज्ञात व्यक्ति के द्वारा सुरेन्द्र बहादुर राय उर्फ दरबारी निवासी खोंगापानी बी सी एम चौकी खोंगापानी थाना झगराखांड़ की हत्या कर दी गई जिस पर से थाना बिजुरी मे अप.क्र. 350/21 धारा 302 ताहि का पंजीबद्ध कर अनुसंधान मे लिया गया प्रकरण के अनुसंधान मे साबिर अली पिता मो. हदीस निवासी अलीनगर थाना बिजुरी के द्वारा मृतक की हत्या पुराने लेन देन के विवाद के कारण किये जाने का खुलासा हुआ आरोपी घटना दिनांक से लगातार फरार था आरोपी की पता तलाश हेतु उद्घोषित ईनाम राशि श्रीमान अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक डीसी सागर महोदय शहडोल के द्वारा 30000 रुपये (तीस हजार) की गई थी जिसके संबंध मे इस्तेहार जारी कर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ के थानो मे प्रसारित किया गया अनूपपुर जिले के सरहदी थानो से लगे सभी थाना प्रभारियों से व्यक्तिगत संपर्क कर उक्त फरार आरोपी के संबंध मे जानकारी दी गई जो डोंगरगढ़ (छ.ग.) से यह सूचना प्राप्त हुई कि डोंगरगढ़ मे एक चोरी का आरोपी सुरेन्द्र विश्वकर्मा पिता विनय विश्वकर्मा उम्र 32 वर्ष निवासी बिलासपुर का मिला है जिसका हुलिया व चेहरा प्रकरण के फरार आरोपी साबिर से मिलता है जिसकी तस्दीक पर यह पाया गया कि प्रकरण का फरार आरोपी साबिर अली पिता मो. हदीस निवासी अलीनगर थाना बिजुरी का रायपुर मे अपना उक्त नाम रखकर फरारी काट रहा था । थाना डोंगरगढ़ की सूचना पर दिनांक 12/11/24 को आरोपी साबिर अली को डोंगरगढ़ उपजेल से वारंट मे लेकर थाना बिजुरी लाया गया जिसने पूछताछ मे जुर्म स्वीकार किया है आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा जा रहा है, यह तथ्य उल्लेखनीय है कि आरोपी के विरुद्ध चोरी ,लूट ,गृह भेदन के 11 से अधिक अपराध हैं आरोपी दुर्ग (छ.ग.) मे अपने छद्म नाम सुरेन्द्र विश्वकर्मा से चोरी के एक प्रकरण मे जेल जा चुका है ।

उपरोक्त कार्यवाही मे निरी विकास सिंह , उपनिरी सोने सिंह परस्ते, उपनिरी यूएन मिश्रा, प्र.आर 171 सतीष मिश्रा, आर 349 रामनिवास गुर्जर, 250 नरेन्द्र जाट की उल्लेखनीय भूमिका रही ।

बस स्टैंड चौंकी प्रभारी ने की ऑटो एवं ई-रिक्शा की जांच 8 पर की गईं चालानी कार्यवाही वसूला जुर्माना

कटनी, यातायात को सुगम एवम व्यवस्थित करने हेतु बस स्टैंड चौंकी प्रभारी अंकित मिश्रा ने बस स्टैंड में अराजकता फैला रहे ई-रिक्शा चालकों एवं ऑटो चालकों के विरुद्ध कार्यवाही की है। बस स्टैंड परिसर में यातायात को नियंत्रित करने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया। सड़क पर सामूहिक रूप से खड़े ऑटो के कारण आने जाने में हो रही यात्रियों को परेशानी को देखते हुए चौंकी प्रभारी ने करीब एक दर्जन से अधिक ऑटो चालकों के दस्तावेजों की जांच की और उन्हें यातायात नियमों के साथ चलने की हिदायत दी साथ ही 8 ऑटो चालकों के विरुद्ध परिवाहन अधिनियम के तहत कार्यवाही करतें हुए 4 हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया। कार्यवाही के दौरान सहायक उप निरीक्षक शशि भूषण दुबे , स उ नि बालगोविंद प्रजापति, प्र आर मनोज पटेल , नीरज पांडेय सहित चौंकी स्टाफ मौजूद रहा।

पहले किया अगवा, पिटाई की, नहीं भरा मन तो भिजवाया जेल, फिर युवक बोला- अरसद नहीं अजहर हूं

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, मध्यप्रदेश के कटनी जिले में अजब-गजब मामला समाने आया है जहां एक शख्स ने कटनी पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई कि उसका नाम अज़हर है,लेकिन क्षेत्र के दबंगों ने उसे अरसद समझकर पहले तो उसे अगवा कर लिया और बेदम पिटाई की और उनके खिलाफ कोई शिकायत न हो इससे पहले ही अजहर को थाने ले जाकर झूठा मामला दर्ज करवाते हुए जेल भिजवा दिया।उससे भी दिलचस्प बात ये है कि जिसे जेल भिजवाया उससे बिना नाम पता पूछे ही पुलिस ने भी अरसद मानकर उसे जेल भेजा दिया। दरअसल पूरा कारनामा एमपी के कटनी जिले से समाने आया जहां कैमोर निवासी शेख अजहर मंसूरी एसपी कार्यालय पहुंचकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को मामले की शिकायत दर्ज करवाई और पूरे प्रकरण से अवगत करवाते हुए घटना में दोषी आरोपियों सहित पुलिस वालों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित शेख अजहर मंसूरी ने बताया कि मैं चाय पीकर घर लौट रहा था तभी कैमोर थाना क्षेत्र चमन चौराहे से उसे पप्पू शर्मा, निलेश रजक, रज्जाक, बल्ला संतोष केवट सहित अन्य लोगों ने मुझे अरसद बोलकर जबरन बाइक में उठा ले गए और एनटीआरटी में उसकी लाठी डंडे से बेदम पिटाई शुरूकर दी मै बोलता रहा मै अरसद नहीं अजहर हूं लेकिन किसी न सुनी और पिटाई करते रहे उसके बाद थाने लेकर गए और मेरे ऊपर अरसद के नाम से 151 की कार्रवाई करते हुए तहसीलदार के आदेश से जेल भिजवा दिया गया। मै पुलिस वालों से लेकर मेरा स्वास्थ्य परीक्षण करने वाले डॉक्टर और सभी से बोलता रहा मै अजहर नहीं अरसद हूं..... लेकिन किसी ने मेरी एक न सुनी। अब जब मैं जेल से बाहर आया तो घरवालों ने बताया तुझे मारने के लिए लोग घर के पास घूम रहे है इसलिए मैं अब सभी की शिकायत करते आया हूं। इस अजब-गजब मामले को सुनकर तो कटनी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार डेहरिया का भी माथा घूम गया और उन्हें मामले की पूरे तथ्यात्मक जानकारी एकत्रित करवाई है और इसकी जांच थाने स्तर में करवाने की भी बात कही है। मजे की बात तो ये है जिस थाना प्रभारी को अरसद और अजहर में अंतर न दिखा उसे ही मामले जांच करने को कहा गया है फिलहाल देखना ये है इस मामले पर क्या कुछ कार्रवाई होगी।

राम कथा आयोजन में सहयोग के प्रति शहीद बसंत सिंह के पुत्र समाजसेवी राहुल सिंह बघेल ने भेट किए 1 लाख 51000 रूपए नगद की राशि

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनूपपुर । जिले मुख्यालय में भव्य स्तर पर श्री राम कथा का आयोजन होने जा रहा है जिसकी शुष्ठ आत 19 नवंबर से 27 नवंबर के मध्य अमरकंटक रोड चंदास नदी के तट पर तय किया गया है। जिसकी भव्य तैयारी शुरू हो चुकी है और पूरे जिले में हर जगह सेवा समिति के लोग आम नागरिकों से मुलाकात करके सामाजिक आर्थिक और नैतिक रूप से सहयोग की अपेक्षा भी कर रहे हैं ताकि कार्यक्रम की भव्यता बनी रहे। श्री राम कथा सेवा समिति में सैकड़ो नवयुवक बढ़ - चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं और अनेकों प्रकार की तैयारी कर रहे हैं । राम कथा आम लोगों के जीवन पर प्रभाव तो छोड़ते ही हैं आज के नव युवकों को एक सीख देकर चले जाने की बात कह रहे हैं क्योंकि आज सबसे ज्यादा अगर किसी चीज की जरूरत है तो अध्यात्म और धर्म की ताकि आम रूप से छोटे-छोटे नवयुवक जो नशे की तरफ भाग रहे हैं वह धर्म और संस्कृति के प्रति जागृत होकर अपने जीवन को नहीं दिशा दे सके इसके लिए समिति के द्वारा लोगों से जुड़कर आर्थिक सहयोग से लेकर धार्मिक रूप से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। श्री राम सेवा समिति ने राहुल सिंह के पूरे परिवार को दिया आशीर्वाद- 19 नवंबर से प्रारंभ होने वाले श्री राम कथा में कथा वाचक श्री पूज्य प्रेमभूषण महाराज के द्वारा कथा वाचन किया जाना है इस बात पर जब सहयोग के लिए श्री राम कथा के समिति के द्वारा ग्राम धीरौल भ्रमण के लिए गए तो वहां शहीद बसंत सिंह बघेल के पुत्र समाजसेवी राहुल सिंह बघेल और धीरज सिंह बघेल से मुलाकात की, जहां पर उन्होंने श्री राम कथा के भव्य आयोजन और ईश्वर के प्रति आस्था रखते हुए उन्होंने 1लाख 51000 ष्ठ पए की राशि श्री राम कथा समिति को प्रदान किया है, जिसके लिए श्री राम कथा समिति ने अपने फेसबुक और ब्लॉक के माध्यम से राहुल सिंह बघेल और धीरज सिंह बघेल तथा उनके परिवार को आशीर्वाद प्रदान किया है जिसकी जगह- जगह चर्चा हो रही है,समाज में धार्मिक कार्यों के प्रति अपनी आस्था दिखाने में राहुल सिंह व धीरज सिंह कोई कमी नहीं करते हैं जिसके लिए श्री राम सेवा समिति ने पूरे परिवार को आशीर्वाद प्रदान किया है ।

दीपोत्सव में भारतीय संस्कृति और सामाजिक समरसता का अनूठा प्रकटीकरण : उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार

जेएनएस महाविद्यालय में भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम संपन्न

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।

शाजापुर, प्रदेश के उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने मंगलवार को देव प्रबोधिनी एकादशी के शुभ अवसर पर शुजालपुर स्थित जवाहरलाल नेहरू स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम में सहभगिता कर, सभी को दीपोत्सव पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित की। श्री परमार ने देव प्रबोधिनी एकादशी की भी सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। श्री परमार ने महाविद्यालय प्रागंण में पुष्पों, रंगों एवं दीयों से सुसज्जित विभिन्न थीमों पर विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई आकर्षक रंगोलियों को अवलोकन किया और विद्यार्थियों को उनके नवाचारी प्रयासों के लिए बधाई दी। श्री परमार ने कहा कि महाविद्यालय प्रांगण में प्रदर्शित कलाकृतियों का सृजन, भारतीय संस्कृति का अनूठा प्रकटीकरण है और सामाजिक समरसता के भाव का संदेश देता है। श्री परमार ने विभिन्न थीमों पर सृजित मनमोहक रंगोलियों एवं एक साथ 21 हजार दीपक प्रज्ज्वलित करके दीपोत्सव कार्यक्रम को भव्यता देने के लिए आयोजनकर्ताओं की सराहना की और उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं भी दीं।

एक साथ प्रज्ज्वलित 21 हजार दीपक और विभिन्न थीमों पर सृजित रंग-बिरंगी रंगोलियां रहीं, आकर्षण का केन्द्र

शासकीय जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय का खेल मैदान खेल प्रशिक्षक श्री देवेंद्र कुम्भकार के निर्देशन में 300 खिलाड़ियों की 16 घंटे की लगातार मेहनत के रंग से एक साथ प्रज्ज्वलित 21 हजार दीपों की रोशनी से जगमगाते ही ड्रोन व्यू से ली गई तस्वीरों से क्षेत्रवासियों को प्रांगण में पहुंचने को आतुर कर दिया। देवउठनी एकादशी के महाविद्यालय प्रांगण में प्रवेश करते ही भारतीय संस्कृति की परम्परा अनुरूप स्वागत द्वार पर स्वागत रंगोली ने दर्शकों को मन मोहा। स्वागत द्वार में झूलते हुए दीपक और प्रांगण में झूलते हुए दीपक, भारतीय संस्कृति में पावन पर्व दीपावली का महत्व दर्शाते दिखे। विद्यार्थियों द्वारा पुष्पों एवं रंग-बिरंगी रंगोलियों से राष्ट्र एवं समाज के विभिन्न आवश्यक पहलुओं के महत्व को दर्शाने का प्रयास किया गया। माता तुलसी-श्री शालिगराम विवाह की झांकी, विवेकानंद सेतु में पानी में तैरते हुए दीपक, गांधी उद्यान में हिमाचल प्रदेश की थीम से तैयार कर बड़े दीपक, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ थीम रंगोली, अटल भवन के सामने विकसित भारत 2047, स्वर्ण जयंती द्वार पर लोकमाता माता अहिल्या बाई की 300 वीं जयंती को समर्पित रंगोली एवं उनके जीवन से जुड़ी प्रदर्शनी, लॉन्ग जंप पिट, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल,कब्बडी के खिलाड़ियों द्वारा खेल को समर्पित रंगोली, पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षों को न काटने की अपील करती रंगोली, योग, भारतीय सेना, प्रकृति रक्षा करती है -अगर वो सुरक्षित है विषयक रंगोली, स्कूली विद्यार्थियों द्वारा ओलंपिक और चीता प्रोजेक्ट को लेकर उकेरी रंगोलियों ने विभिन्न सामाजिक बिंदुओं का आकर्षक प्रदर्शन किया। प्रख्यात उद्योगपति एवं समाजवेत्ता दिवंगत श्री रतन टाटा को श्रद्धांजलि देने के लिए उकेरी गई रंगोली आकर्षण का केंद्र रही। पुष्पों और रंगोली के रंग से बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओं को लेकर उकेरी गई कलाकृति समाज को संदेश देती दिखाई दी। भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम में शुजालपुर शहर एवं आसपास के ग्रामीण अंचल से बड़ी संख्या में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। लोगों ने हर थीम पर बनी आकर्षक पुष्प सज्जा एवं दीपमाला के साथ सेल्फी और सामूहिक रूप से फोटो लिए। इस अवसर पर कार्यक्रम में श्री अशोक नायक, श्री विजय सिंह बैस, श्री आलोक खन्ना,महाविद्यालय प्राचार्य श्री राजेश कुमार शर्मा, खेल शिक्षक श्री देवेंद्र कुम्भकार सहित अन्य गणमान्य नागरिक बंधु एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

IGNT बचाओ समिति का आंदोलन तेज, समाधान न मिलने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

अमरकंटक (विशेष संवाददाता)

अनूपपुर, IGNTU (इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय) में हालातों को सुधारने की मांग को लेकर ढुलहज्ञ बचाओ समिति ने आज तिरंगा यात्रा निकाली। इस यात्रा का उद्देश्य विश्वविद्यालय में लंबे समय से चली आ रही विभिन्न समस्याओं का समाधान करवाना था। यात्रा लालपुर गाँव से शुरू होकर विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश करते हुए सीधे एडमिनिस्ट्रेशन भवन तक पहुंची।यात्रा के दौरान कई छात्रों और स्थानीय नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ अपनी नाराजगी जाहिर की। हालांकि, विश्वविद्यालय की ओर से किसी जिम्मेदार अधिकारी ने ज्ञापन को स्वीकार नहीं किया। अंततः ignTU बचाओ समिति द्वारा विश्वविद्यालय के कुलसचिव के नाम नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया।समिति के अनुसार, यदि 2 दिनों में इन मांगों का समाधान नहीं हुआ, तो समिति अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठने

का फैसला करेगी, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे। समिति ने प्रशासन को चेतावनी दी कि मांगों की अनदेखी गंभीर परिणाम ला सकती है।ज्ञापन में निम्नलिखित महत्वपूर्ण मांगो का उल्लेख किया गया1. गौरेला, अमरकंटक एवं राजेंद्रग्राम से विश्वविद्यालय की बस पुनः शुरू की जाए। 2. क्षेत्रीय विद्यार्थियों को भी छात्रावास आवंटित किया जाए। 3. सभी मेस का टेंडर किया जाए ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण भोजन मिल सके। 4. छात्रावास के छात्रों से शासन द्वारा जो 1000 रुपये की अवैध वसूली की गई है, उसे वापस किया जाए। 5. विश्वविद्यालय का केंद्रीय पुस्तकालय 24 घंटे खोला जाए। 6. छात्राओं का छात्रावास से बाहर रहने का समय बढ़ाया जाए क्योंकि परिसर में सुरक्षा का प्रश्न नहीं उठता। 7. ग्लूट नर्मदा नामकरण को वापस लिया जाए, जो माँ नर्मदा की भक्ति के साथ खिलवाड़ है। 8. नर्मदा शोध छात्रावास का गैरकानूनी कब्जा समाप्त कर उसे वापस छात्रावास बनाया जाए। 9. CUET परीक्षा केंद्र की स्थापना विश्वविद्यालय में की जाए ताकि स्थानीय विद्यार्थियों को लाभ मिल सके। 10. विश्वविद्यालय में कार्यरत क्षेत्रीय सुरक्षा कर्मियों एवं हाउसकीपिंग स्टाफ को नियमित किया जाए। 11. छत्तीसगढ़ एवं मध्य प्रदेश बोर्ड से 12वीं पास विद्यार्थियों का स्नातक में 40% कोटा तय किया जाए। 12. विश्वविद्यालय में चल रही गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की भर्ती पर तत्काल रोक लगाई जाए और पहले स्थानीय कोटा तय किया जाए फिर भर्ती की जाए। छात्र प्रतिनिधि का कहना है कि विश्वविद्यालय के भविष्य को बचाने के लिए यह आंदोलन आवश्यक हो गया है, और हम अपनी मांगों के पूरा होने तक संघर्ष जारी रखेंगे।

35 साल पहले मृत हुई महिला की आत्मा लेने अस्पताल पहुंचे परिजन

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।

शाजापुर। महिला की मौत के 35 साल बाद उसकी आत्मा लेने परिजन अस्पताल पहुंचे और यहां पूजा-पाठ की। परिजन काफी देर अस्पताल गेट के बाहर पूजा-अर्चना करते रहे। शाजापुर जिला अस्पताल में बुधवार को अजीबो-गरीब मामला देखने को मिला, जब वहां कुछ लोग अपने परिजन की आत्मा लेने पहुंच गए, जिसकी मौत 35 साल पहले हो चुकी थी। परिजनों का कहना था कि 35 वर्ष पहले कुंए में गिरने से भूरीबाई घायल हो गई थी जिसकी उपचार के दौरान शाजापुर जिला अस्पताल में मौत हो गई थी। इसके बाद अब परिवार में समस्याएं उत्पन्न होने लगी और पूरा परिवार परेशान रहने लगा जिस पर उन्हे सुझाव दिया गया कि महिला की आत्मा परिवार को परेशान कर रही है। परिजनों ने बताया

कि आत्मा को मनाने के लिए जिला अस्पताल आए हैं और पूजा कर भूरीबाई की आत्मा को घर ले जाने का दावा किया। परिजनों ने बताया कि वे घर पर भजन-कीर्तन करेंगे जिससे आत्मा खुश हो जाएगी और इससे घर में सुख शांति होगी। आत्मा को मुकाम भी दिया जाएगा। **लाल साड़ी लेकर आत्मा को लेने पहुंचे परिजन** बुधवार दोपहर को ग्रामीण क्षेत्र का परिवार लाल साड़ी, पुष्पमाला, नारियल और अगरबत्ती लेकर जिला अस्पताल परिसर में पहुंचा और यहां एक पेड़ के नीचे बैठकर पूजा-अर्चना की। परिजनों ने बताया कि उन्हे आत्मा परेशान कर रही है जिसे लेने के लिए वे आए हैं और पूजा कर अपने साथ भूरीबाई को आत्मा को ले जाएंगे। भूरीबाई की कुंए में गिरने से इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई थी। 35 साल पहले हुई इस मौत के बाद अब परिवार पर संकट आ रहा है जिससे बचने के लिए तांत्रिक ने आत्मा को मनाने का उपाय दिया जिस पर भूरीबाई की आत्मा को लेने हेतु पूजा अर्चना की गई और परिजनों ने आत्मा को मनाने।

कूडो खिलाड़ियों ने जीते मैडल शाजापुर लौटने पर हुआ स्वागत

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर। पंडित दीनदयाल इंडोर स्टेडियम सूरत गुजरात में 5वीं कूडो फेडरेशन कप एवं 16 अक्षय कुमार कूडो इंटरनेशनल टूर्नामेंट का आयोजन 5 नवंबर से 12 नवंबर 2024 तक किया गया, जिसमें मध्यप्रदेश की टीम के 137 खिलाड़ियों ने प्रतिभागिता की। शाजापुर जिले से सेक्रेटरी एवं मुख्य कोच जिला कूडो एसोसिएशन राजीव लोचन शर्मा के नेतृत्व में 07 खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। टूर्नामेंट की ओपनिंग सेरेमनी में सूरज सूरत पुलिस कमिश्नर मौजूद रहे, जिन्होंने खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। 5 से 7 नवंबर को 15वीं कूडो नेशनल टूर्नामेंट का आयोजन हुआ, जिसमें करुणा केसरिया अंडर 11 साल, 36 किलो, सूरज राव 19-21 साल 210 पीआई, अनुज्ञा शर्मा 21-40 साल 220 पीआई ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। रजत पदक प्राप्त खिलाड़ी परिधि चौहान अंडर 11 वर्ष 33 किलो, प्रगति पटवा 16-19 साल 200 पीआई रहे। 8 से 9

नवंबर 2024 को 5वी कूडो फेडरेशन कप का आयोजन हुआ जिसमें करुणा केसरिया अंडर 11 वर्ष 36 किलो, पंकज राजावत 19-21 साल 220 पीआई ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। अनुज्ञा शर्मा 21-40 साल 220 पीआई ने रजत पदक प्राप्त किया। प्रगति पटवा 16-19 साल 200 पीआई ने कांस्य पदक प्राप्त किया। 10 से 12 नवंबर 2024 को 16 अक्षय कुमार कूडो इंटरनेशनल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें करुणा केसरिया अंडर 11 साल 36 किलो ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। पंकज राजावत 19-21 साल 220 पीआई, अनुज्ञा शर्मा 21-40 साल 220 पीआई ने रजत पदक प्राप्त किया। परिधि चौहान अंडर 11 साल 33 किनो, सूरज राव 19-21 साल 210 पीआई, चिराग राजावत 19-21 साल 230 पीआई ने कांस्य पदक प्राप्त किया। टूर्नामेंट के क्लोजिंग सेरेमनी में बॉलीवुड एक्टर शिहान अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी एवं परेश रावल एवं सूरत पुलिस कमिश्नर मौजूद थे, जिन्होंने खिलाड़ियों को मेडल पहनाया। वहीं मैडल प्राप्त कर शाजापुर लौटे खिलाड़ियों का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया गया।

मेरा वार्ड सबसे सुंदर अंतर्गत रंगोली प्रतियोगिता आयोजित

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, मेरा वार्ड सबसे सुंदर एवं शुभ दीपावली अभियान अंतर्गत वार्ड क्रमांक 21 श्रीघाट मंदिर परिसर में सामूहिक रूप से दर्जनों नागरिकों ने रंगोली बनाकर स्वच्छ भारत एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। रंगोली का प्रत्यक्ष अवलोकन के लिए पांच सदस्य टीम का गठन किया गया। टीम में मुख्य रूप से दीप्ति तोमर, ज्योति वर्मा, संगीता अग्रवाल, अर्चना राजपूत, माया राठौर रहे, जिन्होंने प्रत्यक्ष अवलोकन कर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेता का चयन किया। इस दौरान प्रथम विजेता श्वेता चौहान पिता देवकरण चौहान, द्वितीय विजेता कुमारी हिमांशी परमार पिता देवकरण परमार तथा तृतीय विजेता कुमारी कुमकुम जादौन पिता शिवराजसिंह जादौन थे। सभी विजेताओं को नगरपालिका परिषद शाजापुर द्वारा आगामी कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम वार्ड

पार्षद के नेतृत्व में सहयोगी संस्था के द्वारा आयोजित की गई। इस अवसर पर सहयोगी संस्था टीम लीडर राजकुमार ठाकुर, पूजा शर्मा, विनोद जमालिया उपस्थित थे।

अखिल भारतवर्षीय गुर्जरगौड़ ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अधिवेशन कि तैयारी को लेकर पत्रकार वार्ता सम्पन्न

शंभूपुरा ।अखिल भारतवर्षीय श्री गुर्जरगौड़ ब्राह्मण महासभा का दिसम्बर माह में होने वाले राष्ट्रीय महाधिवेशन की तैयारी हेतु होटल द ग्रेंड चित्तोड़ में बुधवार को प्रेस वार्ता आयोजित हुई जिसमे जिसमें महासभा के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश जोशी, प्रधानमंत्री जय किशन पंचारिया, हरिद्वार ट्रस्ट के महामंत्री दिनेश जांजड़ा, राष्ट्रीय प्रभारी ओमप्रकाश उपाध्याय, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एडवोकेट कमलेश भट्ट, जिला अध्यक्ष एडवोकेट प्रशांत शर्मा ने संबोधित किया। संचालन महासभा के पूर्व राष्ट्रीय मंत्री शिवशंकर व्यास एवं आभार व्यक्त जिला महामंत्री नरेश दत्त व्यास ने किया। प्रेस वार्ता के बाद महासभा के पदाधिकारियो ने राष्ट्रीय अधिवेशन की आवश्यक तैयारियों बाबत व्यवस्थाओं का जायजा लिया उन्होंने आवास, भोजन, सभा मंडप, मंच व्यवस्था आदि की तैयारियों का मौका मुआयना करते हुए आयोजक मंडल को आवश्यक दिशा निर्देश भी प्रदान किये। प्रेस वार्ता में महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता मधुसूदन पंचारिया, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मंत्री भेरू लाल शर्मा ,प्रदेश उपाध्यक्ष शशिरंजन तिवारी, अधिवेशन कार्यालय मंत्री भरत चाष्टा एवं महासभा की जिला इकाई के नंदकिशोर निर्जर, पवन शर्मा, देवकिशन शर्मा, ललित शर्मा, पवन तिवारी सांवलियाजी, विकास उपाध्याय, गौरव शर्मा दुर्ग, नवीन सारथी सहित कई समाजजन उपस्थित रहे। पत्रकार वार्ता में निम्न बिंदुओं पर महासभा के पदधिकारियो एव मंचासीन अतिथियों ने विचार व्यक्त किये। अखिल भारतवर्षीय श्री गुर्जरगौड़ ब्राह्मण महासभा का गठन 1936 में होकर पंजीयन कराया गया है यह संस्था 88 वर्ष से लगातार कार्य कर रही है इस संस्था का प्रत्येक 5 वर्ष में संवैधानिक प्रणाली के तहत चुनाव अधिकारी व पर्यवेक्षक नियुक्त कर निष्पक्ष चुनाव कराए जाते हैं चुनाव में अधिक प्रत्याशी नहीं होने पर निर्विरोध चुनाव भी होते है। प्रत्येक बार चुनाव के बाद महासभा का राष्ट्रीय महा अधिवेशन कराया जाता है इसी के तहत दिनांक 25 26 दिसंबर 2024 को महासभा का महाअधिवेशन जिला इकाई चित्तौड़गढ़ द्वारा आयोजित किया जा रहा है। महा अधिवेशन में गुर्जरगौड़ समाज के संपूर्ण भारतवर्ष में लगभग 85 लाख के परिवार निवास करते हैं सभी स्थानों से लगभग तीन-चार हजार अतिथि आने की संभावना है। इस कार्यक्रम के तहत दिनांक 25 दिसंबर को राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक द ग्रैंड होटल चित्तौड़ के बैंक्वेट हॉल में एवं सांस्कृतिक संध्या भरत बाग में आयोजित की जाएगी। दिनांक 26 दिसंबर को प्रातः 9 बजे पाडनपोल किला रोड से विशाल शोभा यात्रा प्रारंभ होगी जो आयोजन स्थल भरत बाग पर सम्पन्न होगी जहां पर ध्वजारोहण व महर्षि गौतम के समक्ष पूजा अर्चना कर आगंतुक अतिथियों का स्वागत सत्कार किया जाएगा तत्पश्चात खुला अधिवेशन आरंभ होगा। महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में समाज हित में

कुछ प्रस्ताव लिए जाएंगे जिनमें चुनाव प्रक्रिया में संशोधन, शैक्षणिक ट्रस्ट के बारे में प्रस्ताव, सामूहिक विवाह, परिचय सम्मेलन, महर्षि गौतम की मूर्ति स्थापना, विधुर एवं विधवा विवाह इत्यादि विषयों पर चर्चा कर दिनांक 26 दिसम्बर को खुला अधिवेशन में प्रस्ताव पारित किए जाएंगे जिनको आगामी 5 वर्षों में अमल में लाया जाएगा।

पीड़ित महिला की शिकायत ...मामला मीडिया में आने से 11 दिन बाद केस दर्ज

उज्जैन

खाचरोद घरेलू हिंसा में ससुर ओर जेठ से परेशान होकर विधवा महिला ने खाचरोद पुलीस थाना पर सहायता मांगने गई, जहां से उसे 11 दिन तक खाली हाथ लोटना पड़ा। महिला ने खाचरोद पुलिस पर गम्भीर आरोप लगाते हुए कहा कि मेरे ससुर ओर जेठ के द्वारा मेरे पति के मरने के बाद मुझे ओर मेरे बच्चे को बेघर करदेना चाहते हैं। बीती रात रवीवार को मेरे मकान का ताला तोड़कर दुसरा ताला लगा दिया जींसकी सुचना पुलिस और 100 डायल पर दी लेकिन पुलिस नहीं पहुची। महिला ने अपने मकान पर फिर ताला लगाया तो ससुर ओर जेठ ने पिछे से दिवाल तोड़कर मकान में अंदर से ताला कुंदी लगा दिया, विधवा महिला सुमन ने फोन लगाकर पुलिस को सुचना दी 100 डायल को भी फोन लगाया लेकिन पुलिस नहीं पहुंची, घबराई डरी सहमी महिला खाचरोद पुलिस थाना पहुंची जहां पर उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई। उसने वकील को बुलाया, फिर भी नहीं सुनवाई हुई।अपने और बच्चों के भविष्य की चिंता से घबराईं सुमन किलोरीया जींदगी से हारकर गस्त खाकर गीर गयी, फिर भी पुलिस ने महिला को तुरंत अस्पताल नहीं पहुंचाया? ओर वकील को अस्पताल ले जाने का कहा, जैसें तैसे गम्भीर हालात में थाना से अस्पताल पहुंचाया जहां डाक्टरों ने रतलाम रेफर कर दिया, लेकिन खाचरोद पुलिस ने महिला सुरक्षा को लेकर कोई मामला दर्ज नहीं किया । सोमवार को रतलाम अस्पताल से महिला खाचरोद थाना रिपोर्ट दर्ज कराने पहुची लेकिन फिर उसे खाली हाथ भेजने का प्रयास किया। ममाले में मिडिया के आने से 11 दिन बाद खाचरोद पुलिस ने महिला की रीपोर्ट दर्ज करी ।ॅ महिला ने खाचरोद पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि महिला सुरक्षा का खाचरोद पुलिस ने मजाक बना दिया है महिलाओं की सुरक्षा के बदले पुलिस पर रिश्वत लेने का गम्भीर आरोप लगाया ।

गोविन्द सेन को साहित्य सरस्वती रमा आलोक सम्मान

धार

संस्कारधानी जबलपुर में 9 नवंबर को मनावर नगर के वरिष्ठ साहित्यकार गोविन्द सेन को राष्ट्रीय स्तर पर क्रियाशील प्रतिष्ठित संस्था कादंबरी का साहित्य सरस्वती रमा आलोक सम्मान प्रदान किया गया। यह सम्मान उन्हें उनकी यात्रा संस्मरण की किताब घूम घुमंतू के लिए आचार्य भगवत दुबे और डॉ संतोष चौबे के हाथों शहीद स्मारक में प्रेक्षागृह में प्रदान किया गया । उन्हें प्रशस्ति पत्र, शाल, श्रीफल और नगद राशि से नवाज़ा गया । सम्मान प्रदाता इंजी. डॉ. अशोक तिवारी थे। उल्लेखनीय है कि श्री सेन की रचनाएँ प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित होती रही हैं। केश शिल्पी कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष श्री विनोद सेन सिरोंज (विदिशा) वरिष्ठ पत्रकार श्री तुसीराम सेन राठौर नाहर गढ़ मंदसौर, विश्वजीत सेन बाकानेर, दादा करण सिंह सेन टोंकी दरबार, जयप्रकाश सेन मनावर सहित इष्ट मित्रों और परिजनों ने उन्हें बधाई दी।

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले युवाओं को अब ग्राम पंचायतों में ही सुविधा मिल रही है युवाओं को अब परीक्षाओं की तैयारियों के लिए अन्यत्र नहीं जाना

शाजापुर

किताब घर जंक्शन की प्रगति की समीक्षा में युवाओं ने कलेक्टर को बताया

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों के लिए जिला प्रशासन की पहल पर जिले की 37 ग्राम पंचायतो में किताब घर जंक्शन प्रारंभ किए गए है। इन किताब घर जंक्शन में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के साथ-साथ आमजनों की रूचि अनुसार पुस्तकें रखी गई है, जिनका उपयोग युवाओं से लेकर बुजुर्ग,? विद्यार्थी एवं आमजन कर रहे है। कलेक्टर सुश्री ऋचु बाफना ने आज इन किताब घर जंक्शनों की गतिविधियों की ऑनलाईन समीक्षा की। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री संतोष टैगोर भी मौजूद थे। समीक्षा के दौरान युवाओं ने बताया कि परीक्षा की तैयारियों के लिए अब उन्हें गांव से बाहर नहीं जाना पड़ रहा है परीक्षा से संबंधित सारी सामग्रियां किताब घर जंक्शन में मौजूद है। एक किताब घर जंक्शन में अध्ययन करने आए नीरज ने बताया कि पहले वह परीक्षाओं की तैयारियों के लिए लगभग 20 किमी दूर जाते थे। अब उन्हें पढ़ने की सुविधा गांव में ही मिलने लगी है, इसके लिए उन्होंने आभार भी जताया। इसी तरह अंकित कुशवाह ने भी बताया कि वे 6-7 युवा मित्रो के साथ किताब घर जंक्शन में अध्ययन करने आ रहे है। प्रतिभा चौहान ने बताया कि वह रेल्वे की परीक्षा की तैयारी के लिए किताब घर जंक्शन में उपलब्ध पुस्तकों का अध्ययन कर रही है। कलेक्टर सुश्री बाफना ने अध्ययन करने आए युवाओं से कहा कि यदि पुस्तकों की और आवश्यकता हो तो वह ग्राम पंचायत के माध्यम से जिला पंचायत सीईओ को मांग भेजे, पुस्तको की आपूर्ति शीघ्र की जाएगी। किताब घर जंक्शन में बुजुर्ग एवं आम व्यक्तियों के लिए धार्मिक एवं सामाजिक सरोकार वाली पुस्तकें भी रखी गई है। कलेक्टर ने सरपंचो से कहा कि वे केवल निर्माण कार्यों को ही विकास नहीं समझें बल्कि युवा पीढ़ी के भविष्य निर्माण एवं गांव को नैतिक दिशा की ओर अग्रसर करने जैसे कार्यो में लगकर गांवों के समग्र विकास पर ध्यान दें। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, जनअभियान परिषद एवं पंचायत विभाग आगे आकर इस दिशा में कदम बढ़ाए। सरपंच किताब घर जंक्शन में दैनिक समाचार पत्र भी शुरू कराएं। कलेक्टर ने सभी सरपंचो, सचिवों एवं जीआरईएस को किताब घर जंक्शन के लिए शुभकामनाएं दी।

37 किताब घर जंक्शन्स का संचालन जिला प्रशासन की पहल पर जिले की 37 ग्राम पंचायतो में किताब घर जंक्शन प्रारंभ किए गए है। इनमें जनपद पंचायत कालापीपल की ग्राम पंचायत बेहरावल, खोकराकलां, खरदोनकलां, कालापीपल ग्राम, रनायल, कोठड़ी, रोसला, पीपल्यानगर, पंच देहेरिया, तिलावद मैना एवं भूरिया खजुरिया शामिल है। इसी तरह जनपद पंचायत मो.बड़ोदिया की ग्राम पंचायत दुपाड़ा, गुलाना, मोहना, बोलाई, दुधाना, चौमा, जलोदा शाजापुर एवं खामखेड़ा, जनपद पंचायत शाजापुर की ग्राम पंचायत सुन्दरसी, पाड़ली, झोंकर, बेरछा, पनवाड़ी, टुकराना, सतगांव, पचोला बनहल, बमोरी एवं मकोड़ी, जनपद पंचायत शुजालपुर की ग्राम पंचायत पगरावद कलां, अवंतिपुर बड़ोदिया, हड़लायकलां, चाकरोद, जामनेर, अख्तियारपुर, कड़वाला एवं लसुल्डियाहेजम शामिल है।

कलेक्टर ने वार्डों का भ्रमण कर साफ सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा

विदिशा

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने बुधवार को विदिशा नगरपालिका क्षेत्र के वार्डो में प्रात: औचक निरीक्षण कर साफ सफाई सहित निकाय के माध्यम से संपादित किए जाने वाले अन्य कार्यो का भ्रमण कर जायजा लिया है। कलेक्टर श्री सिंह ने वार्ड क्रमांक 35 इन्द्रप्रस्थ कॉलोनी विजयनगर व वार्ड 36 नाका शिवनगर तथा वार्ड 25 के नीमताल चौराहे पर जाकर साफ सफाई की व्यवस्था को देखा और स्थानीय रहवासियो से फीडबैक प्राप्त किया है खासकर नगरपालिका अमले के द्वारा कचरा संग्रह और साफ सफाई के संबंध में जानकारी उनके द्वारा प्राप्त की गई है मौके पर स्थानीय रहवासियों द्वारा ततसंबंध में वस्तु स्थिति से अवगत कराया गया है। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने भ्रमण के दौरान और स्थानीय रहवासियों के फीडबैक के आधार पर मुख्य नगरपालिका अधिकारी को निर्देशित किया है कि नगर के मुख्य मार्गो से अतिक्रमण हटाने व सौंदर्यीकरण के कार्य शीघ्र संपादित किए जाएं। इन कार्यों में जन भागीदारी पर उन्होंने बल दिया है। कलेक्टर श्री सिंह ने भ्रमण के दौरान स्थानीय रहवासियों से आव्हान किया है कि नगर को स्वच्छ रखने में आमजनों की महती भूमिका है उन्होंने कचरा संग्रह वाहन में ही कचरा डालने, सडको पर किसी भी प्रकार का कचरा नहीं फैलाने व सौंदर्यीकरण हेतु डिवाइडरो के ऊपर गमले भेंट कर उनमें रोपित किए गए पौधो की देखभाल के दायित्वों का निर्वहन करें। भ्रमण निरीक्षण के दौरान स्थानीय पार्षदो ने मूलभूत समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित कराया है। इस अवसर पर स्वच्छता सभापति श्री कौशल अहिरवार, वार्ड पार्षद श्रीमती सपना राजेश जैन, समेत अन्य पार्षदगण, डिप्टी कलेक्टर श्री संतोष बिटौलिया, मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री बीडी कतरोलिया, सहायक यंत्री वैशाली पांडे, उपयंत्री नीलम रजक, श्री संजय श्रीवास्तव, श्री रामप्रसाद जायसवाल के अलावा नगरपालिका के अधिकारी, कर्मचारी, स्वच्छता अधिकारी व सफाई मित्र और स्थानीय नागरिकगण मौजूद रहें।

देवउठनी ग्यारस पर दीपो से जगमगाया गांगलेश्वर महादेव मंदिर...की आतिशबाजी

खरगोन

कसरावद- मंगलवार को देव उठनी ग्यारस का पर्व मनाया। इस दौरान शहर जगह-जगह तुलसी- शालिगराम विवाह के आयोजन हुए। घर आंगन दीप जलाकर मंगल कामना की। वही नगर के श्री गांगलेश्वर महादेव मंदिर में ग्यारह सौ ग्यारह दीप जलाकर कर आतिशबाजी की गई। मंदिर में आकर्षक रंगोली सजाई गई ।हर वर्ष की तरह इस बार भी मंदिर समिति के सदस्यो ने गरीब बच्चों के साथ देवउठनी ग्यारस हर्षोल्लास के साथ मनाई। मंदिर समिति के अध्यक्ष ने बताया कि जन सहयोग से ही कार्यक्रम का सफल आयोजन

रहता है ।इस अवसर पर समिति के सभी सदस्यों ने एक दूसरे को बधाइयां दी,,इस दौरान संकेत गुजराती, जितेन्द्र पटेल, सुरेश परले, संदीप प्रजापत, मांगीलाल सोहरे, गणेश यादव, दीपक कुशवाह , अनिल राठौड़, सुमेश कुशवाह हेमेंद्र सोलंकी कमल वर्मा, अनुराग शर्मा, संतोष कोली , पुजारी अभिषेक रावल, सहित समाज जन उपस्थित थे

प्रमुख सचिव राजस्व द्वारा व्हीसी के माध्यम से राजस्व अभियान 3.0 की समीक्षा कर दिये आवश्यक

15 नवम्बर से 15 दिसम्बर 2024 तक चलाया जायेगा राजस्व अभियान 3.0

गुना

राजस्व महाअभियान प्रथम चरण एवं द्वितीय चरण की सफलता को देखते हुए मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार राजस्व विभाग के राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण और राजस्व अभिलेख त्रुटियों को ठीक करने राजस्व अभियान 3.0 का आयोजन किये जाने का निर्णय लिया गया। जिसके परिपालन में शासन के निर्देशानुसार राजस्व अभियान 3.0 दिनांक 15 नवम्बर से 15 दिसम्बर 2024 तक चलाया जाना है। इस क्रम में आज राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव द्वारा व्हीसी के माध्यम से समीक्षा कर प्रदेश के समस्त कलेक्टर को निर्देशित किया गया। गुना एनआईसी कक्ष में व्हीसी के दौरान कलेक्टर डॉ. सतेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर श्री अखिलेश जैन, डिप्टी कलेक्टर श्रीमति जिया फातिमा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। आज व्हीसी के दौरान उन्होंने राजस्व महा-अभियान 3.0 के अंतर्गत राजस्व प्रकरणों (नामान्तरण, बंटवारा,

सीमांकन, अभिलेख दुरूस्ती) का निराकरण, नक्शे पर तरमीम, पीएम किसान का सैचुरेशन, आधार का आरओआर से लिकिंग, रास्तों का चिन्हांकन, फार्मर रजिस्ट्री, स्वामित्व योजना आदि कार्यो से संबंधित लंबित प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिये। उन्होंने नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरूस्ती सहित पोर्टल पर प्रगति एवं अपडेट डाटा की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस अभियान को सफल बनाने के लिए प्रमुख सचिव द्वारा बताया गया कि अधिक से अधिक संख्या में आधार कार्ड से मोबाइल नंबर जोड़े जाने की मुहिम चलायी जाये। इसके लिए जगह-जगह विभिन्न शिविरों का आयोजन कर ई-केवायसी की प्रक्रिया पूरी करायी जाये। अभियान की प्रगति और मॉनिटरिंग के लिए किये गये कार्यो को एक्सल शीट पर विभिन्न चार्ट के माध्यम से पीपीटी बनाकर प्रदर्शित कर कार्य की प्रगति की समीक्षा की जाये। राजस्व विभाग अमले द्वारा अधिक से अधिक प्रकरणों के त्वरित निराकरण कर इस अभियान को सफल बनाने के लिये सभी कलेक्टर्स अपने जिले में आवश्यक कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करें। अभियान के समन्वय हेतु श्रीमति नमीता खरे अपर संचालक मध्यप्रदेश भू-अभिलेख प्रबंधन समिति भोपाल को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। राजस्व महाअभियान 3.0 की जिलेवार प्रगति राजस्व महाअभियान डैशबोर्ड (सारा पोर्टल) में उपलब्ध करायी जायेगी। डैशबोर्ड (सारा पोर्टल) पर राजस्व अधिकारी अपने स्वयं के न्यायालय और अधीनस्थ न्यायालयों में अभियान की प्रगति देख सकेंगे।

बुधनी उपचुनाव के मतदान में मतदाताओं ने दिखाया

सीहोर

मतदान केन्द्रों पर सुबह से ही दिखी बुजुर्ग, महिला और युवाओं की भीड़

कलेक्टर-एसपी ने मतदान केन्द्रों का लिया जायजा

दोपहर 03 बजे तक 65.08 प्रतिशत हुआ मतदान

मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं का किया गया स्वागत

मतदान केन्द्रों की सजावट कर आकर्षक बनाया गया

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिकाओं ने की बच्चों की देखभाल

बुधनी विधानसभा उप चुनाव में शांतिपूर्ण ढंग से मतदान की प्रक्रिया जारी है। बुधनी विधानसभा में मतदाताओं द्वारा पूरे उत्साह और उमंग के साथ मतदान किया जा रहा है। मतदान में अपने मताधिकार का उपयोग करने महिलाओं, वरिष्ठजनों तथा युवाओं में भी भारी उत्साह देखा गया। लोकतंत्र के इस महापर्व पर सभी मतदान केंद्रों में बड़ी संख्या में मतादाताओं की सुबह से ही लम्बी कतारे देखी गई। मतदान केंद्रों पर महिला, बुजुर्ग और युवा मतदाता बड़ी संख्या में वोट डालने पहुंचें। निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त प्राथमिक जानकारी के अनुसार सुबह 9 बजे तक 19.90 प्रतिशत मतदान हो गया था। सुबह 11 बजे तक 36 प्रतिशत, दोपहर 01 बजे तक 51.16 प्रतिशत तथा अपरान्ह 03 बजे तक 65.08 प्रतिशत मतदान हुआ।

कलेक्टर-एसपी ने मतदान केन्द्रों का लिया जायजा

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण सिंह एवं एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला ने लाड़कुई, सिंहपुर, छिदगांव मौजी, भैरूंदा, बोरखेड़ा कला, गोपालपुर, सीगाँव, ससली, रेहटी, पांडागांव, छीपानेर, धोलपुर, जमोनिया कला सहित अनेक नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के मतदान केन्द्रों का भ्रमण कर वहां चल रहे मतदान की कार्यवाही का जायजा लिया। साथ ही उन्होंने मतदान केन्द्रों पर आए मतदाताओं से चर्चा भी की। इस दौरान उन्होंने मतदान सम्पन्न कराने वाले अधिकारी कर्मचारियों को व्यवस्थित ढंग से कार्यवाही संपादित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीठासीन अधिकारी, सेक्टर अधिकारी तथा कार्यपालिक मजिस्ट्रेट को शांतिपूर्ण ढंग से मतदान सम्पन्न कराने के लिए आयोग के निर्देशानुसार सभी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। मतदान को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए कलेक्टर एवं एसपी के अलावा रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी सहित बुधनी विधानसभा में ड्यूटी कर रहे सभी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार तथा सेक्टर अधिकारी निरंतर भ्रमण करते रहे।

मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं का स्वागत

मतदान कर्मी मतदान से एक दिन पहले मतदान केन्द्रों पर पहुंचे। स्थानीय मतदाताओं ने उनका स्वागत और अभिनन्दन किया। वहीं आज बीएजी ग्रुप के सदस्यों द्वारा मतदान के लिए मतदान केन्द्र पहुंचने पर मतदाताओं का तिलक लगाकर एवं फूल माला पहनाकर तथा पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया।

मतदान केन्द्रों की सजावट कर आकर्षक बनाया गया

मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की बैठक, व्हीलचेयर, पेयजल व्यवस्था के साथ ही अनेक मतदान केन्द्रों को फूलों और गुब्बारों से सजाकर आकर्षक बनाया गया एवं स्वागत द्वार भी बनाए गए। कई मतदान केन्द्रों पर टेंट लगाने के साथ ही द्वार से मतदान कक्ष तक मेट बिछाए गए। अनेक मतदान केन्द्रों को रंगोली से सजाया गया।

लोकतंत्र के महापर्व में सहभागी बनकर मतदाताओं को हो रहा गर्व

बुधनी विधानसभा उप चुनाव के लिए प्रात: 07 बजे से ही मतदान प्रारंभ हो गया है। मतदाताओं में मतदान के प्रति भारी उत्साह दिखाई दिया। मतदाता सुबह से ही लाइन में खड़े होकर अपने मताधिकार का उपयोग करने पहुंचे। मतदान केंद्रों पर मतदान करने आईं मतदाता श्रीमती कमला बाई, सुश्री अपूर्वा, श्रीमती कांता बाई, सुश्री आयुषी शर्मा, सुश्री सुमन ने कहा कि हर नागरिक को अपने मताधिकार का उपयोग करना चाहिए और देश की प्रगति और लोकतंत्र को मजबूत करने में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा हमें लोकतंत्र के इस महापर्व में सहभागी बनने पर बहुत ही गर्व महसूस हो रहा है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिकाओं ने की बच्चों की देखभाल आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं साहायिकाओं ने मतदान केंद्रों पर ड्यूटी करने वाली महिला मतदान कर्मियों के बच्चों की देखभाल की।

कलेक्टर ने की श्रम, सामाजिक न्याय, पंचायत एवं राजस्व विभाग के सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की समीक्षा

खरगोन

कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिले के श्रम, सामाजिक न्याय, पंचायत, राजस्व विभाग एवं महिला बालव विकास विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आकाश सिंह, महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती भारती आवास्या एवं उप संचालक सामाजिक न्याय धर्मेन्द्र गांगले भी उपस्थित थे। बैठक में श्रम विभाग की अन्त्येष्टि सहायता, अनुग्रह

सहायता, समग्र आईडी निर्माण, वृद्धावस्था पेंशन, ग्रामों की नल जल व्यवस्था, प्रधानमंत्री आवास योजना, सड़क सुधार एवं राजस्व विभाग के सीमांकन, नामांकन एवं बंटवारा संबंधी सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा की गई। इस दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि 50 दिन से अधिक एवं 100 दिन से अधिक लंबित शिकायतों का 2 दिनों के भीतर निराकरण करें। शिकायतों का निराकरण संतुष्टि के साथ होना चाहिए। इसके लिए प्रत्येक शिकायतकर्ता से सम्पर्क करने कहा गया। समाधान ऑनलाइन में आने की संभावना वाली हितग्राही मूलक शिकायतों में बजट उपलब्ध होने पर तत्काल भुगतान करने के निर्देश दिए गए। जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे स्वयं सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की सतत मॉनिटरिंग करें। हितग्राहीमूलक योजनाओं का कोई भी प्रकरण समाधान ऑनलाइन में शामिल होगा तो इसके लिए वे स्वयं जिम्मेदार माने जाएंगे।

आयुष्मान केम्प का निरीक्षण

विदिशा कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के निर्देशों पर जिले में 70 प्लस आयु वर्ग के वृद्धजनों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के लिए ग्राम पंचायतो पर विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे है। कलेक्टर श्री सिंह ने इन शिविरो की क्रास मानिटरिंग के लिए जिलाधिकारियों को दायित्व सौंपे गए है इसी कडी के तहत विदिशा विकासखण्ड की ग्राम चितौरिया में आयोजित 70 प्लस बुजुर्गो के आयुष्मान कार्ड पंजीयन के लिए आयोजित शिविर का महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी ने जायजा लिया। ग्राम की आंगनबाडी केन्द्र भवन में आयोजित शिविर में आने वाले सभी वृद्धजनों को किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो का विशेष ध्यान रखा गया था।

एक्सपर्ट्स की चेतावनी...

टॉयलेट सीट पर 10 मिनट से ज्यादा बैठना हो सकता खतरनाक

इंटरनेशनल डेस्क। आजकल कई लोग टॉयलेट में जाकर मोबाइल चलाने या अखबार पढ़ने में इतना मशगूल हो जाते हैं कि वक्त का ध्यान ही नहीं रहता। लेकिन क्या आप जानते हैं कि टॉयलेट सीट पर ज्यादा देर तक बैठना सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है? एक्सपर्ट्स के अनुसार, टॉयलेट सीट पर 10 मिनट से ज्यादा बैठने से कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

टेक्सास साउथवेस्टर्न मेडिकल सेंटर के कोलोरेक्टल सर्जन डॉ. लाई जू का कहना है कि लंबे समय तक टॉयलेट सीट पर बैठने से बवासीर और कमजोर पेल्विक मसल्स का खतरा बढ़ता है। उनके अनुसार, टॉयलेट में अधिक समय बिताने वाले लोग अक्सर इन्हीं समस्याओं के कारण डॉक्टर के पास पहुंचते हैं।

टॉयलेट में ज्यादा देर तक बैठने के जोखिम

स्टोनी ब्रुक मेडिसिन के असिस्टेंट प्रोफेसर और इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज सेंटर की डायरेक्टर डॉ. फराह मोंजूर ने बताया कि टॉयलेट में 5 से 10 मिनट से ज्यादा समय बिताना नुकसानदायक हो सकता है। लंबे समय तक बैठे रहने से पेल्विक एरिया पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे एनल मसल्स कमजोर हो सकती हैं और पेल्विक फ्लोर डिसफंक्शन जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

टॉयलेट सीट की बनावट और बैठने का असर टॉयलेट सीट की ओवल शेप बट को संकुचित करती है और शरीर के निचले हिस्से को नीचे की ओर खींचती है। इसके कारण ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित होता है, जिससे बवासीर जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

डॉ. जू के अनुसार, टॉयलेट सीट पर लंबे समय तक बैठने से लोअर रेक्टम की नसों पर दबाव बढ़ता है, जिससे नसें खून से भर जाती हैं और बवासीर का खतरा बढ़ जाता है।

जबरदस्ती दबाव डालने से बचें

डॉ. मोंजूर का कहना है कि जबरदस्ती दबाव डालने से भी बवासीर का खतरा बढ़ता है। टॉयलेट में फोन या मैगज़ीन के कारण लोग ध्यान भटकाकर बैठने का समय बढ़ा लेते हैं और मसल्स पर दबाव डालते रहते हैं, जिससे समस्याएं हो सकती हैं। टॉयलेट में फोन और मैगज़ीन का उपयोग बंद करें कैलिफ़ोर्निया के सिटी ऑफ होप ऑरेंज काउंटी के गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. लांस उरादोमो ने सुझाव दिया है कि टॉयलेट में फोन, मैगज़ीन या किताबें ले जाने से बचना चाहिए। इससे समय पर ध्यान नहीं रहता और अधिक देर तक बैठे रहने की आदत बन जाती है।

स्वस्थ बाउल मूवमेंट के लिए सुझाव

डॉ. जू के अनुसार, अगर बाउल मूवमेंट में समस्या हो रही है, तो 10 मिनट तक टहलने से लाभ हो सकता है। इसके अलावा, फाइबर युक्त भोजन और पर्याप्त पानी पीना पाचन में मददगार साबित हो सकता है।

ट्रंप ने नई टीम में भारत समर्थक मार्को रुबियो को चुना विदेश मंत्री

माइक वॉल्ट्ज को बना चुके NSA

इंटरनेशनल डेस्क। डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद उनकी नई टीम में भारत के समर्थन में सक्रिय नेताओं को अहम जिम्मेदारियां देने की तैयारी है। खबरों के मुताबिक, ट्रंप ने फ्लोरिडा के सीनेटर मार्को रुबियो को विदेश मंत्री और कांग्रेस सदस्य माइक वॉल्ट्ज को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त करने का फैसला किया है। दोनों नेताओं को चीन के खिलाफ और भारत के पक्ष में मजबूत रुख रखने वाला माना जाता है, जिससे उम्मीद है कि ट्रंप प्रशासन में भारत-अमेरिका संबंध और प्रगाढ़ होंगे।

भारत के साथ गहरे संबंधों के समर्थक मार्को रुबियो

मार्को रुबियो, जो ट्रंप के विदेश मंत्री बनने जा रहे हैं, लंबे समय से भारत-अमेरिकी साझेदारी को समर्थन देते रहे हैं। पिछले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वॉशिंगटन यात्रा से पहले, रुबियो ने एक बयान में कहा था कि हम वैश्विक इतिहास के एक नए दौर में हैं, जहां भारत और अमेरिका लोकतांत्रिक मूल्यों और साझे राष्ट्रीय हितों पर आधारित एक मजबूत गठबंधन बना सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि दोनों देशों के सुरक्षा और आर्थिक हित कई मुद्दों पर आपस में जुड़े हुए हैं, और इस गठजोड़ से वैश्विक मंच पर शक्ति संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी। रुबियो का मानना है कि भारत जैसे लोकतांत्रिक देश के साथ अमेरिका का मजबूत रिश्ता न केवल एशिया में, बल्कि पूरे विश्व में स्थिरता को बढ़ावा दे सकता है। उनके विदेश मंत्री बनने से चीन पर अमेरिका की रणनीतिक स्थिति और सख्त हो सकती है, क्योंकि रुबियो का रुख चीन के प्रति हमेशा कड़ा रहा है।

माइक वॉल्ट्ज को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के तौर पर चुना गया है। वॉल्ट्ज, जो एक अनुभवी सैनिक और आर्मी नेशनल गार्ड से सेवानिवृत्त अधिकारी हैं, ट्रंप के करीबी माने जाते हैं। वह भारत-अमेरिका संबंधों को बढ़ावा देने के लिए अमेरिकी कांग्रेस में कांग्रेसनल कॉकस के सह-अध्यक्ष भी रहे हैं। भारत के प्रति उनकी प्रतिबद्धता इस बात से जाहिर होती है कि उन्होंने कई मौकों पर दोनों देशों के बीच रक्षा और रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने के लिए जोर दिया है।वॉल्ट्ज का मानना है कि भारत के साथ मजबूत रक्षा सहयोग, अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है, खासकर चीन की बढ़ती शक्ति को संतुलित करने के लिए। उनका कहना है कि भारत जैसे साथी देशों के साथ सुरक्षा सहयोग से क्षेत्रीय स्थिरता और अमेरिकी हितों की रक्षा में मदद मिलेगी।

अमेरिका-भारत संबंधों में नई उम्मीदें

फ्लोरिडा के सीनेटर रिक स्कॉट ने रुबियो की विदेश मंत्री पद पर नियुक्ति की पुष्टि की और उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि मार्को रुबियो का विदेश मंत्री बनना अमेरिका के लिए एक शानदार कदम है। वॉल्ट्ज की नियुक्ति से भारत के साथ सुरक्षा और रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ने की उम्मीद है। रुबियो और वॉल्ट्ज, दोनों के ट्रंप प्रशासन में प्रमुख पदों पर होने से अमेरिका-भारत संबंधों में गहरी मजबूती आने की उम्मीद की जा रही है। ट्रंप प्रशासन की इस नई रणनीतिक टीम से चीन के प्रति सख्त नीतियां और भारत-अमेरिका संबंधों में और मजबूती आने की संभावनाएं बढ़ गई हैं।

पाकिस्तान में अक्टूबर से दिसंबर तक शादी समारोहों पर लगेगा सख्त बैन

इंटरनेशनल डेस्क। पाकिस्तान में पंजाब प्रांत की सरकार ने स्मॉग पर नियंत्रण के लिए एक नई नीति लागू की है, जिसके तहत अब हर साल अक्टूबर से दिसंबर तक शादी समारोहों पर सख्त प्रतिबंध रहेगा। यह नीति लाहौर हाई कोर्ट में पेश की गई, जिसमें बताया गया कि शादी समारोहों से ट्रैफिक और ऊर्जा की खपत बढ़ती है, जो प्रदूषण में अहम भूमिका निभाती है। पंजाब के एडवोकेट जनरल ने कोर्ट को जानकारी दी कि इस बार पहली बार स्मॉग नियंत्रण के लिए विशेष बजट निर्धारित किया गया है। कोर्ट ने इन कदमों की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रशासन पहले की सरकारों से अधिक प्रभावी तरीके से काम कर रहा है। इस नीति के तहत किसानों को पराली जलाने से रोकने के लिए सुपर सीडर मशीनें वितरित की जाएंगी, जो पराली जलाने की बजाय उसे खेत में नष्ट कर देती हैं, जिससे स्मॉग में कमी हो सके। कोर्ट ने सुझाव दिया कि शादी समारोहों में एक व्यंजन की व्यवस्था लागू की जाए और शादी के कार्यक्रमों की संख्या भी सीमित की जाए। कोर्ट ने वैश्विक उदाहरणों का हवाला देते हुए कहा कि कई देशों में शाम 5 बजे तक ही व्यवसायिक गतिविधियां बंद कर दी जाती हैं ताकि प्रदूषण कम हो, जबकि पाकिस्तान में देर रात तक बाजार खुले रहते हैं।लाहौर में प्रदूषण का स्तर खतरनाक स्थिति में पहुंच गया है, जिससे जनता को बाहर निकलने से बचने और मास्क तथा एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है।

विशेषज्ञों ने पीएम 2.5 प्रदूषकों के कारण स्वास्थ्य पर पड़ रहे गंभीर असर को देखते हुए सरकार से दीर्घकालिक स्मॉग नियंत्रण रणनीति बनाने की मांग की है। बता दें कि गंभीर प्रदूषण से जूझ रही पाकिस्तानी पंजाब की राजधानी लाहौर की जहरीली धुंध अब अंतरिक्ष से भी दिखाई देने लगी है। जियो न्यूज के अनुसार, अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा द्वारा उपग्रह से ली गई तस्वीरों में यह स्थिति दिखाई दी है। पाकिस्तान में मुल्तान और इस्लामाबाद जैसे कई शहरों में धुंध छाई है। मुल्तान देश का सबसे प्रदूषित शहर बन गया जिससे प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए प्रयासरत अधिकारी भी असमंजस में पड़ गए।

ईरान ने कई महिलाओं से रेप के दोषी को सरेआम फांसी पर लटकाया

तेहरान. पिछले दो दशक में कई महिलाओं से दुष्कर्म के दोषी एक ईरानी व्यक्ति को सार्वजनिक रूप से फांसी पर लटका दिया गया। ईरान के सरकारी मीडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। सरकारी IRAN अखबार ने बताया कि देश के उचतम न्यायालय ने अक्टूबर की शुरुआत में मोहम्मद अली सलामत की मौत की सजा बरकरार रखी थी जिसके बाद उसे फांसी दे दी गयी। उसे मंगलवार सुबह पश्चिमी हमेदान शहर में एक कब्रिस्तान में मौत की सजा दी गयी।करीब 200 महिलाओं ने दवा की दुकान और एक जिम चलाने वाले 43 वर्षीय सलामत पर दुष्कर्म का आरोप लगाया था। ऐसा आरोप था कि उसने पिछले 20 वर्ष में कई अपराधों को अंजाम दिया।

ईरानी मीडिया में आयी खबरों में कहा गया है कि कई मामलों में सलामत ने महिलाओं को शादी का प्रस्ताव देने के बाद या प्रेम प्रसंग के दौरान उनका दुष्कर्म किया।

ब्राजील में सुप्रीम कोर्ट के बाहर आत्मघाती हमला, आरोपी की मौत

इंटरनेशनल डेस्क। ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया में बुधवार यानि कि 13 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट के बाहर एक आत्मघाती बम विस्फोट हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। यह घटना ब्राजील के सबसे महत्वपूर्ण सरकारी क्षेत्र, प्राका दोस ट्रेस पोदेरस में हुई, जहां कई प्रमुख सरकारी इमारतें स्थित हैं।

घटना के बाद तुरंत ही न्यायाधीशों और कोर्ट के सभी कर्मचारियों को सुरक्षित स्थानों पर निकाल लिया गया।

दो विस्फोटों की झलक

घटना के दौरान, एक वीडियो सामने आया जिसमें दो विस्फोटों को देखा गया। इन दोनों विस्फोटों के बीच 20 सेकंड का अंतर था। यह धमाका उस वक्त हुआ जब कोर्ट परिसर के आसपास कई लोग मौजूद थे, लेकिन राहत की बात यह रही कि कोई और गंभीर घायल नहीं हुआ।

संघीय पुलिस ने शुरू की जांच

वहीं घटना के बाद, ब्राजील की संघीय पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि इस आत्मघाती हमले का उद्देश्य क्या था और हमलावर के पीछे कौन लोग थे। पुलिस ने सभी पहलुओं की जांच शुरू कर दी है और स्थिति को लेकर कोई भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले पूरी जानकारी एकत्र करने की कोशिश कर रही है।

बढ़ाई गई सुरक्षा

इस हमले ने क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर नई चिंताओं को जन्म दिया है। ब्रासीलिया जैसे संवेदनशील इलाके में हुए इस आत्मघाती विस्फोट ने सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया है। अधिकारियों ने कहा कि भविष्य में ऐसे हमलों से निपटने के लिए सुरक्षा उपायों को और मजबूत किया जाएगा।

हालांकि हमलावर की पहचान अभी तक सामने नहीं आई है, लेकिन यह घटना ब्राजील में बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों और खतरों को उजागर करती है।

दूल्हे ने दहेज में मांगी बुलेट और 5 लाख कैश, दुल्हन ने शादी से किया इंकार

नेशनल डेस्क. कोतवाली थाना क्षेत्र के लाम्बा की ढाणी में एक बेटी ने दहेज की मांग करने वाले दूल्हे को शादी के बाद ठुकरा दिया। 12 नवंबर को मंजू जाखड़ का विवाह विक्रम सिंह से हुआ था। सात फेरे होने के बाद दूल्हे विक्रम ने दुल्हन के परिवार से पांच लाख रुपए और एक बुलेट बाइक की मांग की। मांग पूरी न होने पर दूल्हे ने दुल्हन को घर नहीं ले जाने की धमकी दी। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया और मामला पुलिस तक पहुंच गया। घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को थाने ले आई। थाने में दुल्हन मंजू ने दहेज के लिए प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाते हुए दूल्हे और उसके परिवार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। दुल्हन ने बताया कि शादी के दौरान दूल्हे ने सिर्फ पैसे और बुलेट की मांग ही नहीं की, बल्कि शादी के कार्यक्रम के दौरान गाली-गलौच भी की। उसने न सिर्फ मंजू के साथ बल्कि शादी में आई अन्य लड़कियों के साथ भी अभद्र व्यवहार किया। विक्रम के परिवार के लोग भी इस दौरान गाली-गलौच करने लगे और पंडित को भी अपशब्द बोले। मंजू ने इसे बर्दाश्त नहीं किया और दूल्हे को ठुकरा दिया। इसके बाद दिनभर दोनों परिवारों के लोग बैठकर मामले को सुलझाने की कोशिश करते रहे, लेकिन बात नहीं बनी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569